महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 201 | उज्जैन, बुधवार 31 दिसंम्बर 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

दुनिया में सच बोलना बचपन से सिखाया जाता है, लेकिन, सच सुनना कोई नहीं सिखाता

मातृ सत्तात्मक संस्कृति से मिले हैं नारी सम्मान के संस्कार : मुख्यमंत्री

भाई के घर (मुख्यमंत्री निवास) आई बहनों को मिला सम्मान

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश की सभी माताओं-बहनों के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। केंद्र सरकार ने देश की संसद में आधी आबादी को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया है। प्रदेश के नगरीय निकायों और शासकीय सेवाओं में भी 35 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बहनें आज भारतीय सेनाओं में भी शीर्ष पद प्राप्त करते हुए आगे बढ़ रही हैं। प्रदेश की बहनें आर्थिक-सामाजिक रूप से संपन्न और आत्मविश्वास से भरी हों, इस उद्देश्य से हमारी सरकार ने अनेक कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए सब्सिडी दी जाती है। साथ ही अधिक से अधिक बहनें संपत्ति की मालिक बनें, इसके लिए रजिस्ट्री में अतिरिक्त 2 प्रतिशत छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को सशक्त नारी-समर्थ नारी संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री निवास पधारी प्रबुद्ध महिलाओं, आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं तथा ड्रोन दीदीयों से आत्मीय चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के साथ समूह चित्र भी खिंचवाया। बालिका सरगम कुशवाह ने मधुर देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेटी सरगम को 51 हजार रूपए की राशि सम्मान और प्रोत्साहन स्वरूप देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहन-बेटियों से इस प्रकार संवाद का क्रम आगामी माहों में भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज महिलाएँ नहीं बहने मेरे घर आयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की आत्मीयता ने बहनों को भाव विभोर कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी सफलता के लिये बड़ी बहन श्रीमती कलावती यादव को श्रेय देते हुए कहा कि बड़ी बहन ने ही उन्हें राजनीति में आने के लिए प्रेरित करने के साथ आवश्यक सहयोग व प्रोत्साहन प्रदान किया। मां और बहन के संस्कार, प्रेम और उनके द्वारा दी गई हिम्मत ही उनके आगे बढ़ने का आधार बनी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे परिवार में बहू भी बेटी समान है, और दोनों ही दुलार, स्नेह और सम्मान की बराबर की हकदार हैं। सनातन संस्कृति मातृ सत्ता पर आधारित संस्कृति है। मां ही हम सभी के जीवन मे पहली गुरु होती है। विश्व में भारत ही ऐसा राष्ट है, जहां देश को माता के भाव से जोड़ा जाता है। जैसे मां के आंचल में सुख और सुरक्षा का भाव आता है, वैसे ही देश की सत्ता से भी आम आदमी को सुख और सुरक्षा का एहसास हो, यही हमारा उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास के साथ विरासत को संरक्षण प्रदान करते हुए गतिविधियां संचालित की जा रही है। राज्य में औद्योगिक विकास के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार दिया जा रहा है। प्रदेश में जन-निजी भागीदारी (पीपीपी मोड) पर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल खोलने के लिए लीज पर 25 एकड़ भूमि तक उपलब्ध कराई जा रही है। मध्यप्रदेश देश में यह नवाचार करने वाला पहला राज्य है। प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।। राज्य सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों की एमबीबीएस की 70 से 80 लाख रुपए तक फीस भर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में देहदान और अंगदान को प्रोत्साहन देने के लिए गार्ड ऑफ ऑनर देने की परंपरा शुरू की गई है। इसका सकारात्मक प्रभाव हुआ है। हमारी सरकार ने ऐलोपैथी के साथ-साथ आयुर्वेदिक एवं पैरामेडिकल क्षेत्र में शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में महिला उद्यमियों के स्टार्ट-अप में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश वह राज्य है, जो औद्योगिक विकास में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश स्टार्ट-अप्स शुरू करने में अग्रणी हैं। राज्य सरकार ने बीते 2 वर्षों से लगातार स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित कर रही है। इनमें अधिकांश का नेतृत्व प्रदेश की महिला उद्यमी कर रही हैं। राज्य सरकार सूक्ष्म उद्योग, लघु एवं कुटीर उद्योग से लेकर हैवी इंडस्ट्री तक महिलाओं को हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। प्रदेश में लागू की गई 18 नई नीतियों में महिलाओं को केंद्र में रखा गया है। गुजरात मॉडल पर औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भोपाल में पहली बार जीआईएस का आयोजित की गई। उससे पहले संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की गईं। इन सभी प्रयासों से राज्य को मिले बंपर निवेश और औद्योगिक विकास की संभावनाओं का लाभ महिलाओं को भी मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विगत 2 वर्षों में राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक कार्य किए हैं। इसका प्रभाव सभी क्षेत्रों में दिख रहा है। लाड़ली बहना योजना से घरों के वातावरण में बदलाव आया है। महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास और आत्मसम्मान बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) का दायित्व महिलाएं निभा रही हैं। जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाएं पूर्ण दायित्व के साथ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं का निर्वहन कर रही हैं। शिक्षण संस्थाओं में भी बालिकाएं ही मेरिट लिस्ट में अग्रणी दिखाई देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ?कि राज्य सरकार महिलाओं की प्रगति में हर कदम पर उनके साथ है। राज्य में सप्ताह में 5 दिन कार्यालय लगने से नौकरीपेशा महिलाओं को सुविधाएं हुई हैं।

न्यूज ब्रीफ

रिश्तों में तनातनी के बीच जयशंकर जाएंगे बांग्लादेश, बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में होंगे शामिल

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार 31 दिसंबर को बांग्लादेश जाएंगे। यहां पर वह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। इसके मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर यहां पर भारत सरकार और भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों देशों के बीच हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए जयशंकर के बेगम जिया के अंतिम संस्कार में भाग लेने को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। पीएम मोदी ने भी बेगम खालिदा जिया के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। बता दें कि बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं।खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री जिया ने उथल-पुथल भरे सैन्य शासन के बाद देश में लोकतंत्र की बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दशकों तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पड़ोसी देश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि ढाका में पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और बांग्लादेश के सभी लोगों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर उनके परिवार को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें।

'मुस्लिम वर्चस्व' स्थापित करने का था प्लान, असम-त्रिपुरा में जिहादी मॉड्यूल का भंडाफोड़; 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम और त्रिपुरा में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इन पर आरोप है कि ये लोग बांग्लादेश स्थित कट्टरपंथी संगठनों के संपर्क में थे और पूर्वोत्तर भारत में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे थे। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त पार्थसारथी महंता ने बताया कि यह कार्रवाई केंद्रीय एजेंसियों से मिले खुफिया इनपुट के आधार पर स्पेशल टास्क फोर्स ने की। उन्होंने बताया, कल (सोमवार) रात असम के बारपेटा, चिरांग और दरांग जिलों के साथ-साथ त्रिपुरा में भी एक अभियान चलाया गया। हमने कुल 11 जिहादी तत्वों को गिरफ्तार किया है, जो बांग्लादेश स्थित समूहों के सीधे आदेशों पर काम कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोग नवगठित इंडियन मुजाहिदीन-के. के सदस्य हैं। उन्होंने बताया, इनमें से 10 को असम से और एक को त्रिपुरा से पकड़ा गया। इनका मुख्य उद्देश्य असम और पूर्वोत्तर के बाकी हिस्सों में अस्थिरता फैलाना था। वे देश के इस हिस्से में 'मुस्लिम वर्चस्व' स्थापित करना चाहते थे। गिरफ्तार लोग इमाम महमूदर काफिला नाम के संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं। यह संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश से जुड़ा हुआ है, जिस पर भारत में प्रतिबंध लगा है। पुलिस का कहना है कि इन लोगों का मकसद असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता फैलाना था। हालांकि, छापेमारी में इनके पास से कोई हथियार नहीं मिले हैं लेकिन कई दस्तावेज और डिजिटल सबूत जब्त किए गए हैं, जो इनकी साजिशों को डिकोड करते हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी एन्क्रिप्टेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क में रहते थे। ये लोग पुरबा आकाशनाम का एक ऑनलाइन ग्रुप भर्ती और प्रचार के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। संगठन को पैसा हवाला और छोटे बैंक लेन-देन के जरिए भेजा जा रहा था।

हैदराबाद बना मेगा सिटी, 3 गुना बढ़ा GHMC क्षेत्र; 12 जोन और 4 पुलिस कमिश्नरेट स्थापित

नई दिल्ली/ जीएनएस। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का प्रशासनिक और भौगोलिक परिदृश्य मंगलवार को आधिकारिक तौर पर संपन्न हो गया। इसके साथ ही हैदराबाद एक मेगा सिटी में परिवर्तित हो गया। ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन का क्षेत्र तीन गुना बढ़कर 650 वर्ग किलोमीटर से 2,053 वर्ग किलोमीटर हो गया।

दरअसल, 27 आसपास की नगरपालिकाओं और शहरी स्थानीय निकायों का GHMC में विलय किया गया और पुलिस व्यवस्था को चार अलग-अलग आयुक्तों में पुनर्गठित किया गया है। ताकि 1.34 करोड़ से अधिक की आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मौलिक रूप से बदला जीएचएमसी- हैदराबाद का परिदृश्य मौलिक रूप से बदल गया है, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) का आकार पहले के आकार से तीन गुना बढ़ गया है। हैदराबाद में प्रशासनिक क्षेत्रों की संख्या छह से बढ़ाकर 12 कर दी गई है, जबकि नगर निगम वार्डों की संख्या 150 से बढ़कर 300 हो गई है।

मेगा सिटी में परिवर्तित हुआ हैदराबाद- ऐतिहासिक विलय और प्रशासनिक पुनर्गठन मंगलवार को आधिकारिक तौर पर संपन्न हो गया। इसके साथ ही हैदराबाद एक मेगा सिटी में परिवर्तित हो गया। इस कदम से शहर का नागरिक अधिकार क्षेत्र 650 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2,053 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जिससे हैदराबाद भारत के सबसे बड़े नगर निगमों में से एक बन गया है।

11,460 करोड़ रुपये के बजट- अधिकारियों के अनुसार, यह विकेंद्रीकरण वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित रिकॉर्ड 11,460 करोड़ रुपये के बजट के प्रबंधन की कुंजी है, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से नवगठित परिधीय क्षेत्रों में जल निकासी, अपशिष्ट प्रबंधन और सड़क नेटवर्क जैसे एकसमान बुनियादी ढांचे को लाना है।

नागरिक विस्तार के साथ-साथ राज्य ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था में भी सुधार किया है। पारंपरिक त्रि-आयुक्त प्रणाली को चार इकाइयों - हैदराबाद, साइबरबाद, मलकाजगिरि (पूर्व में रचाकोंडा) और नवनिर्मित फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट - से प्रतिस्थापित किया गया है।

भेड़ियों के हमलों को रोक पाने में नाकाम बहराइच के DFO राम सिंह यादव हटाए गए

नई दिल्ली/ जीएनएस। लखनऊ। प्रदेश सरकार ने भेड़ियों के लगातार हो रहे हमलों को रोक पाने में नाकाम रहे बहराइच के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) राम सिंह यादव को हटा दिया है। यहां पिछले चार माह में भेड़ियों के हमले में 11 बच्चों समेत 13 लोग मारे जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना को बुलाकर इस प्रकरण में नाराजगी जताई थी। उन्होंने तत्काल डीएफओ को हटाने के आदेश दिए। इसी के बाद वन विभाग ने उन्हें हटाकर मुख्यालय में प्रभारी डीएफओ कोर्टकेस के पद पर तैनात कर दिया गया है। बहराइच में भेड़ियों के हमले की घटनाएं रुकने का नाम ही नहीं ले रही हैं। अब तक वन विभाग की टीम यहां पर सात भेड़ियों को मार भी चुकी है। इसके बावजूद घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसी बात से मुख्यमंत्री मंगलवार को नाराज थे। उन्होंने वन मंत्री को अपने आवास पांच कालिदास मार्ग में बुलाया और उन्हें इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वन विभाग ने बहराइच के डीएफओ को हटाने के साथ ही एटा के डीएफओ सुन्दरेशा को बहराइच का नया डीएफओ बना दिया है। एटा के डीएफओ का अतिरिक्त प्रभार राष्ट्रीय चंबल सेंचुरी प्रोजेक्ट आगरा में डीएफओ के पद पर तैनात चांदनी सिंह को सौंप दिया गया है।

असम में बांग्लादेश से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है, यहां पुलिस ने एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान बांग्लादेशी चरमपंथी संगठन से जुड़े 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। भारतीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां नॉर्थ-ईस्ट खासकर असम को हाई अलर्ट पर थीं।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान, नसीम उद्दीन उर्फ नजीमुद्दीन, उर्फ तमीम, जुनाब अली, अफराहिम हुसैन, मिजानुर रहमान, सुल्तान महमूद, मोहम्मद सिद्दक अली, रशीदुल आलम, महबिल खान, शाहरुख हुसैन, मोहम्मद दिलबर रजाक और जागीर मियां के रूप में हुई है।

सेंट्रल एजेंसियों के विश्लेषण के आधार पर, पुलिस को इमाम महमूद काफिल मॉड्यूल की गतिविधियों के बारे के बारे में अलर्ट किया गया था। IMK जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश का बांग्लादेश स्थित एक हिस्सा है, जो भारत में बैन हैं।

2018 में हुई IMK की स्थापना- IMK की स्थापना 2018 में ज्वेल महमूद, उर्फ इमाम महमूद हबीबुल्लाह, उर्फ सोहेल ने की थी, जो JBM का पूर्व सदस्य था। महमूद हबीबुल्लाह खुद को IMK की अमीर होने का दावा करता है और गजवतुल हिंद की विचारधारा फैलाता है।

मुंबई के कोस्टल रोड पर सड़क हादसा, आपस में टकराईं मर्सिडीज और ट्रैक्सी; यातायात प्रभावित

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुंबई की कोस्टल रोड पर एक कार ड्राइवर के नियंत्रण खोने से तीन कारों में टक्कर हो गई। जिसके बाद सड़क पर चल रहे यात्रियों में दहशत फैल गई। हादसा वर्ली में नमन बिल्डिंग के पास नॉर्थबाउंस कैरिजवे पर हुआ और जिसमें एक मर्सिडीज कार और दो टैक्सी शामिल थीं। टक्कर से तीनों गाड़ियों को काफी नुकसान हुआ और कई लोग घायल हो गए।

अधिकारियों के मुताबिक, टैक्सी ड्राइवर को मामूली चोटें आई हैं, जबकि मर्सिडीज चला रहे युवक को बाएं कंधे में चोट आई है, उसे इलाज के लिए ब्रीच कैंडी अस्पताल ले जाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, अन्य यात्रियों को भी चोटें आई हैं, हालांकि किसी की भी हालत गंभीर नहीं थी।

हादसे की वजह से कोस्टल रोड पर ट्रैफिक कुछ समय के लिए रुक गया, जिससे पीक आवर्स में ट्रैफिक धीमा हो गया और जाम लग गया। घटना की जानकारी मिलते ही वर्ली पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू कर दी।

अल्मोड़ा बस हादसे की वजह आई सामने, अचानक फेल हुए स्टेयरिंग ने ले ली सात लोगों की जान

भिकियासैंण/ जीएनएस। सड़क किनारे बने गड्ढे में बस का टायर चले जाने और इसके बाद अचानक स्टेयरिंग फेल हो जाने से मंगलवार सुबह शिलापानी बैंड के पास बड़ा हादसा हो गया। रामनगर जा रही कुमाऊं मोटर आनर्स यूनियन (केएमओयू) लिमिटेड की यात्री बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक दुर्घटना में सात यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सुबह आठ बजे हुआ हादसा- केएमओयू बस संख्या यूके 07 पीए 4025 सुबह करीब छह बजे द्वाराहाट के नोबाड़ा से रामनगर के लिए रवाना हुई थी। लगभग आठ बजे शिलापानी बैंड से 700 मीटर दूर सिरकोन गधेरे में जा गिरी। मोड़ पर सड़क की खराब स्थिति के चलते बस का टायर किनारे बने गड्ढे में चला गया।

राहत-बचाव कार्य में आई कठिनाइयां - सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं। खाई की गहराई अधिक होने के कारण राहत-बचाव कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, हालांकि स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से अभियान युद्धस्तर पर चलाया गया। सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया।

2025 में रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार हो चुका है भारत; पीएम मोदी ने बताया आम आदमी को क्या हुआ फायदा

नई दिल्ली/ जीएनएस। साल 2025 भारत की आर्थिक सुधारों की यात्रा में एक ऐतिहासिक वर्ष साबित हुआ है। इस वर्ष केंद्र सरकार ने अपनी नीतियों में स्पष्ट रूप से मध्यम वर्ग और आम आदमी को प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की विकास गाथा श्रम कानूनों और व्यापार समझौतों से लेकर लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा, बाजार सुधारों, विश्वसनीयता, स्थिरता और दीर्घकालिक विश्वास जैसे मूल्यों पर आधारित है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार हो चुका है। इस सुधार एक्सप्रेस का मुख्य इंजन भारत की जनसांख्यिकी, हमारी युवा पीढ़ी और हमारे लोगों का अदम्य साहस है।

उन्होंने कहा कि 2025 को भारत के लिए ऐसे वर्ष के रूप में याद किया जाएगा जब उसने पिछले 11 वर्षों की उपलब्धियों के आधार पर निरंतर राष्ट्रीय मिशन के रूप में सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया। हमने संस्थानों का आधुनिकीकरण किया, शासन व्यवस्था को सरल बनाया और दीर्घकालिक, समावेशी विकास की नींव मजबूत की। उन्होंने आगे कहा कि हमने दृढ़ निश्चय के साथ आगे कदम बढ़ाया... उच्च महत्वाकांक्षा, तीव्र क्रियान्वयन और गहन परिवर्तन के साथ। इन सुधारों का उद्देश्य नागरिकों को गरिमापूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाना, उद्यमियों को आत्मविश्वास के साथ नवाचार करने में सक्षम बनाना और संस्थानों को स्पष्टता तथा विश्वास के साथ कार्य करने में सक्षम बनाना रहा है।

जीएसटी सुधार - 5त्न और 18त्न की सरल दो-स्लैब संरचना लागू की गई है (लक्जरी और सिन गुड्स के लिए 40त्न स्लैब के साथ)।

परिवारों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, किसानों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर बोझ कम हुआ है।

इसका उद्देश्य विवादों को कम करना और बेहतर अनुपालन सुनिश्चित करना है।

-इस सुधार से उपभोक्ताओं का मनोबल और मांग बढ़ी है। त्योहारी सीजन में बिक्री में वृद्धि हुई है।

मिडिल क्लास के लिए अभूतपूर्व राहत- पहली बार 12 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की आय वाले व्यक्तियों को आयकर से छूट मिली।

अप्रचलित आयकर अधिनियम, 1961 को आधुनिक और सरल आयकर अधिनियम, 2025 से प्रतिस्थापित किया गया।

प्रत्येक जनजातीय विकासखण्ड में खुलेगा सांदीपनि विद्यालय - डॉ. कुंवर विजय शाह

86 जनजातीय विकासखण्डों में बनेंगे कला भवन, जनजातीय कलाओं को मिलेगा जी.आई.टैग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में आगामी तीन सालों में जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा सुविधाओं में अभूतपूर्व विस्तार किया जाएगा। प्रत्येक जनजातीय विकासखण्ड में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना की जायेगी। आगामी 3 वर्षों में ÷गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। अधोसंरचना, स्मार्ट क्लास, लैब एवं लाइब्रेरी सुविधाओं का उन्नयन किया जायेगा। प्रत्येक जनजातीय विकासखण्ड में एकलव्य विद्यालय, माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर और बालक आदर्श आवासीय विद्यालय की स्थापना की जायेगी।

जनजातीय श्रद्धा एवं पूजा स्थलों का उन्नयन किया जायेगा। जनजातीय समाज की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के लिए 86 जनजातीय विकासखण्डों में कला भवन की स्थापना की जायेगी। यह जानकारी जनजातीय कार्य मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह ने मंगलवार को 2 साल की विभागीय उपलब्धियों पर आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

जनजातीय कलाओं को जी. आई.टैग- डॉ. शाह ने कहा कि डिंडोरी जिले की गोंड पेंटिंग को जी.आई. टैग प्राप्त हुआ है। सात उत्पादों की जी.आई. टैग की प्रक्रिया प्रचलित है, जिसमें भील जनजाति के गलशन माला, बोलनी, पिथौरा चित्रशैली, झाबुआ आदिवासी गुड़िया एवं गोंड जनजाति समूह के वाद्य यंत्र बाना चिकारा तथा मुखौटा काष्ठ शिल्प शामिल हैं।

जनजातीय कैफेटेरिया- डॉ. शाह ने बताया कि गुजरात के केवड़िया में संचालित जनजातीय महिला कैफेटेरिया की तर्ज पर पचमढ़ी, मांडू, कान्हा-किसली, पेंच एवं बांधवगढ़ में कैफेटेरिया का निर्माण किया जा रहा है। जनजातीय स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कैफेटेरिया का संचालन किया जायेगा। इससे जनजातीय महिलाओं को आजीविका का साधन मिलेगा तथा जनजातीय संस्कृति का भी संरक्षण होगा।

पीएम जनमन- प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान की चर्चा करते हुए डा शाह ने बताया कि 13 लाख 43 हजार से अधिक जनजातीय जनसंख्या लाभान्वित हो रही है । यह अभियान में 9 मंत्रालयों की 11 अधोसंरचनात्मक एवं 07 हितग्राही मूलक योजनाओं के माध्यम से अत्यंत पिछड़ी जनजातियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

हितग्राही मूलक योजनाओं में पिछले 02 वर्षों में 1099125 आधार कार्ड, 596931 जनधन बैंक खाता, 723236 आयुष्मान भारत, 1001220 जाति प्रमाण पत्र, 59455 किमान क्रेडिट कार्ड, 88899 पीएम किसान सम्मन निधि और 301964 राशन कार्ड बनाए गए।

पीएम आवास- डॉ. शाह ने बताया कि अब तक 1 लाख 30 हजार से अधिक मकान पूर्ण कर लिए गए है। ऑन-ग्रिड बिजली के माध्यम से 26 हजार 810 से अधिक घरों में बिजली प्रदाय की गई है। ऑफ-ग्रिड सोलर विद्युतीकरण के माध्यम से 1 हजार 122 घरों में बिजली प्रदाय की गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 237 कि.मी. सड़कों का निर्माण कर लिया गया है। उन्होने बताया कि 125 बहुउद्देशीय केंद्र स्वीकृत किये गये है। अब तक 49 भवनों का निर्माण पूरा कर लिया गया है और 217 आंगनवाडियों के निर्माण कार्य चल रहे हैं।

मोबाइल कनेक्टिविटी के अंतर्गत 157 बसाहटों में 137 टावर स्वीकृत किए गए है, जिसमें से 46 टावर ऑन-एयर कर दिए गए है। हर घर नल से जल में 1 हजार 838 ग्रामों में कार्य पूर्ण कर 8 लाख 63 हजार परिवारों को हर घर नल से जल की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होने बताया कि 58 वन धन विकास केन्द्रों का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। 106 छात्रावास भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जनजातीय क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की गई है।

जनजातीय होमस्टे- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में 18 लाख 58 हजार जनजातीय परिवारों को लाभ मिल रहा है। स्वदेशी पर्यटन को बढ़ावा देने 14 ग्रामों में 86 जनजातीय होमस्टे बनाए जा रहे हैं। जनजाति वर्ग के व्यवसायियों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए चार ट्राइबल मल्टीपरपज मार्केटिंग सेंटर स्वीकृत किए गए हैं।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए जनजातीय सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना की जा रही है। मंडला में बैगा सांस्कृतिक केन्द्र , छिंदवाड़ा में भारिया सांस्कृतिक केन्द्र, श्योपुर में सहरिया सांस्कृतिक केन्द्र और धार में भील सांस्कृतिक केन्द्र स्थापित किए जा रहे है।

आदि कर्मयोगी अभियान- जनजातीय कार्य मंत्री ने बताया कि विकसित मध्यप्रदेश के लिए 3 लाख प्रतिबद्ध लीडर (आदि कर्मयोगी, आदि साथी एवं आदि महयोगी) तैयार किये गये हैं और 13 हजार 390 विलेज एक्शन प्लान तैयार कर जिलों द्वारा भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड किये जा चुके हैं । इसके अलावा 13 हजार 254 आदि सेवा केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

आदि वाणी एप- भारत सरकार एवं IIT दिल्ली के सहयोग से भीली बोली के लिए आदि वाणी एप का निर्माण किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत भीली से हिन्दी एवं हिन्दी से भीली अनुवाद उपलब्ध होगा। आहार अनुदान योजना में विशेष पिछड़ी जनजाती बैगा, भारिया, सहरिया परिवारों की महिला मुखिया को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए 1500 रूपये प्रतिमाह प्रदान किए जा रहे हैं। विभागीय योजनाओं की जानकारी सरलता से उपलब्ध कराने के लिए शालिनी एप विकसित किया गया है।

एडवोकेट ज्योति जोशी को नेशनल ह्यूमन राइट्स अवार्ड 2025 से किया गया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन सेल (एचआरपीसी) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित एचआरपीसी इंटरनेशनल कन्वेंशन फॉर ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन 2025 के दौरान एडवोकेट ज्योति जोशी को नेशनल ह्यूमन राइट्स अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह भव्य आयोजन मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से मानवाधिकार कार्यकर्ता, विधि विशेषज्ञ एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर एडवोकेट ज्योति जोशी को समाज में मानवाधिकारों के संरक्षण, विधिक जागरूकता के प्रसार तथा विधिक क्षेत्र में न्याय के सिद्धांतों को सुदृढ़ करने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। उनके कार्यों ने न केवल आम नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया है, बल्कि विधिक प्रणाली में विश्वास और न्याय की भावना को भी मजबूत किया है। सम्मान समारोह के दौरान वक्ताओं ने एडवोकेट ज्योति जोशी के सामाजिक और विधिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनका कार्य मानवाधिकार संरक्षण की दिशा में प्रेरणास्त्रोत है। इस उपलब्धि पर उन्हें विभिन्न संगठनों एवं समाज के लोगों द्वारा शुभकामनाएं दी गईं और भविष्य में भी मानवाधिकारों की रक्षा के लिए उनके सतत प्रयासों की कामना की गई।

विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु स्वरोजगार योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत इन्दौर जिले में निवासरत ऐसे पात्र हितग्राही, जो स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करना चाहते हैं, उनसे ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक https://samast.mponline.gov.in पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्री अनिल सोनी ने बताया कि इस योजना के तहत मध्यप्रदेश के मूल निवासी 18 से 55 वर्ष की आयु के ऐसे व्यक्ति पात्र होंगे, जिनके पास सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु जाति का प्रमाण-पत्र उपलब्ध है। योजना में आयकर दाता होना अपात्रता की श्रेणी में आता है, जबकि शैक्षणिक योग्यता का कोई बंधन नहीं रखा गया है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए अधिकतम एक लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर बैंक द्वारा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऋण पर हितग्राही को 6 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान प्रदान किया जाएगा। साथ ही कुल परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 20 हजार रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि भी नियमानुसार दी जाएगी। इससे लाभार्थियों पर वित्तीय बोझ कम होगा और वे आसानी से अपना व्यवसाय प्रारंभ कर सकेंगे। जिले के विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय के इच्छुक हितग्राही योजना से संबंधित अधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु जनजाति कल्याण विभाग के कक्ष क्रमांक 303 द्वितीय तल सेटेलाइट भवन कलेक्ट्रेट परिसर जिला इन्दौर में संपर्क कर सकते हैं।

इंदौर के बुढी बरलई में 251 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुई जांच

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में प्रशासन की सक्रिय तत्परता एवं सतर्कता ने बाल विवाह जैसी कुरीतियों पर लगाम कसने का कड़ा संदेश दिया है। गत 28 दिसंबर 2025 को प्रातः 09 बजे बाल संरक्षण अधिकारी (जिला देवास) के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना में बताया कि बुढी बरलई इंदौर में हरिकृष्ण मानव गो सेवा संस्थान देवास के तत्वाधान में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

वर्ष 2025 की प्रमुख अवसंरचना उपलब्धियाँ - रतलाम मंडल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2025 के दौरान पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण और रेल परिचालन क्षमता वृद्धि के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की गई। मंडल ने माल एवं यात्री परिवहन को अधिक सुगम बनाने, समयपालन में सुधार लाने और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कई परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। पश्चिम रेलवे रतलाम मण्डल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2025 में रतलाम मंडल द्वारा अर्जित महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ निम्नानुसार है- वर्ष 2025 में रतलाम मंडल ने रेल परिचालन क्षमता बढ़ाने हेतु डबल लाइन एवं नई लाइन परियोजनाओं को पूर्ण किया। दलौदा-ढोढर खंड (20.073 किमी) का दोहरीकरण 30 जुलाई 2025 को और बरायला चौरासीढ्ढोढर खंड (25.074 किमी) का दोहरीकरण 31 मई 2025 को सफलता पूर्वक कमीशन किया गया। इसके अतिरिक्त दाहोद में 9000 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव निर्माण इकाई के द्वितीय चरण का कार्य जून 2025 में पूरा हुआ।

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनकर किया गया निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कार्यालय में प्रति मंलगवार की तरह इस मंगलवार भी आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण किया गया। जिन आवेदनों का निराकरण नहीं हुआ, उनके निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। कलेक्टर कार्यालय में आज मुख्य रूप से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया।

जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, निजी भूमि पर अतिक्रमण, मकान पर किराएदारों का कब्जा, दिव्यांगजन को साइकिल की सहायता आदि से संबंधित आवेदन आए। आवेदकों की सुनवाई अधिकारियों द्वारा की गई। साथ ही जनसुनवाई में आये पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए उन्हें मध्यस्थता का केंद्र में प्रेषित किया गया है ताकि आपसी सुलह, समझौते से पारिवारिक विवाद आसानी से सुलझ जाए। कुछ ऐसे आवेदक आए जिन्हें इलाज के लिए आर्थिक सहायता चाहिए थी, उन्हें रेडक्रॉस से आर्थिक सहायता दिलाई गई। जनसुनवाई में आज कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा भी बड़ी संख्या में आवेदकों की समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया।

बांग टांडा गैंग पर बड़ी कार्रवाई, 68.50 लाख का मश्रुका जप्त करने वाले 16 पुलिसकर्मी सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने बांग टांडा गैंग के विरुद्ध प्रभावी कार्वाई कर 68.50 लाख रुपये का मश्रुका एवं अवैध हथियार जप्त करने सहित विभिन्न सराहनीय कार्य करने वाले 16 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह आम नागरिकों के लिए बेहतर पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारंभ किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया।

पुलिस कमिश्नरेट इंदौर द्वारा अच्छे कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के उत्साहवर्धन हेतु यह साप्ताहिक कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसमें पुलिसिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 30 दिसंबर 2025 को पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने विभिन्न थानों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 16 पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की और भविष्य में भी इसी प्रकार समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अप./मुख्य) श्री आर. के. सिंह, पुलिस उपायुक्त (जोन-04/ट्रैफिक) श्री आनंद कलादगी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्य की प्रशंसा करते हुए उनके हौसले को बढ़ाया।

सम्मानित पुलिसकर्मियों में थाना राऊ के कर्मचारियों द्वारा पंजीबद्ध अपराध में आरोपियों की गिरफ्तारी कर मश्रुका जप्त करने, थाना तेजाजी नगर की टीम द्वारा बांग टांडा गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में मश्रुका एवं अवैध हथियार जप्त करने, थाना आजाद नगर द्वारा हत्या के मामले का त्वरित खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी, द्वारकापुरी एवं अन्नपूर्णा थाना क्षेत्रों में चाकूबाजी की घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी, यातायात थाना द्वारा बेहतर यातायात प्रबंधन तथा चेकिंग प्वाइंट पर मोबाइल चोर को पकड़कर संबंधित थाने के सुपुर्द करने जैसे उल्लेखनीय कार्य शामिल रहे।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का यह प्रयास न केवल पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने वाला है, बल्कि आम जनता में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को भी मजबूत करता है।

पीथमपुर सेक्टर-7 में भू-स्वामियों को वाणिज्यिक भूखण्डों का आवंटन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश निवेश क्षेत्र विकास नियम अन्तर्गत स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप सेक्टर-7 का विकास 452 करोड़ रूपये की लागत से एम.पी.आई.डी.सी., द्वारा किया जा रहा है। योजनान्तर्गत सम्मिलित भू-धारकों को आपसी सहमति के आधार पर भूमि का अर्जन लैण्ड पुलिंग पद्धति से किया जा रहा है।

एम.पी.आई.डी.सी. के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति ने बताया कि जिन भू-स्वामियों द्वारा योजना में अपनी भूमि समर्पित की गई है, ऐसे भू-स्वामियों को भूमि के प्रतिफल के रूप में कलेक्टर गाईड लाईन की दो गुना राशि का भुगतान किया जाता है, जिसमें 20 प्रतिशत राशि का भुगतान नगद रूप में तथा बकाया शेष 80 प्रतिशत राशि के समतुल्य विकसित वाणिज्यिक एवं आवासीय भूखण्ड भू-स्वामियों को आवंटित किये जाते हैं। आज से पूर्व में भू-स्वामियों को 3735 भूखण्ड आवंटित किए जा चुके हैं जिनका मूल्य रूपये 454 करोड़ था।

मंगलवार को एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा 14 भू-स्वामियों को वाणिज्यिक भूखण्ड चयन कर आवंटन प्राप्त करने हेतु नियमानुसार आमंत्रित किया गया था, जिनमें से 6 भू-स्वामियों को 47 करोड़ मूल्य के 47 वाणिज्यिक भूखण्ड आवंटित किए गए। 2 भू-स्वामियों द्वारा अन्य स्थान पर भूखण्ड चाहे गए जिनका आवंटन बाद में किया जायेगा तथा 7 ऐसे भू-धारक जो बैठक में उपस्थित नहीं हो पाए थे, उन्हें सॉफ्टवेयर के माध्यम से लॉटरी पद्धति से भूखण्ड आवंटित किए जायेंगे।

कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति द्वारा सभी भू-स्वामियों को अवगत कराया गया कि इन भूखण्ड के आवंटन के उपरान्त जो भी शेष प्रतिफल की राशि बची हुई है उसके बदले में उन्हें सॉफ्टवेयर के माध्यम से लॉटरी प्रक्रिया से आवासीय भूखण्ड शीघ्र आवंटित किए जायेंगे। एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा भू-स्वामियों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रक्रिया तेज कर दी है जिससे कि भू-स्वामियों को शीघ्र उनके भूखण्ड प्राप्त हो सके एवं वे इस संबंध में आगामी निर्णय ले सके और क्षेत्र में आवासीय परिसर जल्दी विकसित हो सके।

ट्रैफिक प्रहरी अभियान में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, पुलिस कमिश्नर ने उत्कृष्ट प्रहरियों को किया सम्मानित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुखद यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा ट्रैफिक प्रहरी अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ आम नागरिकों की सहभागिता बढ़ाना और उन्हें यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना है।

इसी क्रम में दिनांक 30 दिसंबर 2025 को पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था में सराहनीय योगदान देने वाले चार उत्कृष्ट ट्रैफिक प्रहरियों को सम्मानित किया गया। गीताभवन चौराहा पर सेवाएं दे रहे अमित चटर्जी, पलासिया चौराहा के बलवंत टपाल, विजयनगर चौराहा की शीतल चौहान तथा यशवंत रोड चौराहा के श्रवण बड़गुजर को शील्ड, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा : समय पर उपचार से जीवन रक्षा की प्रभावी पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा मध्य प्रदेश सरकार की संवेदनशील और दूरदर्शी स्वास्थ्य नीति का सशक्त उदाहरण है। गंभीर रूप से बीमार और आपातकालीन मरीजों को समय पर उच्च स्तरीय उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष रूप से उन परिस्थितियों में जहाँ हर मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को यह सुविधा निःशुल्क प्रदान कर सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि आर्थिक स्थिति उपचार में बाधा न बने। पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा राज्य की एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल के रूप में स्थापित हो चुकी है। यह सेवा इस बात का सशक्त उदाहरण है कि आपात परिस्थितियों में समय पर उपलब्ध उन्नत चिकित्सा परिवहन कितने अनमोल जीवन बचा सकता है।

नवजात से वरिष्ठ नागरिक तक, सभी के लिए जीवन रक्षक- पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के अंतर्गत भोपाल से पूरे प्रदेश के लिए 24 घंटे, सातों दिन आपातकालीन चिकित्सा परिवहन की सुविधा उपलब्ध है। यह व्यवस्था गंभीर रोगियों को कम से कम समय में उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही है। सेवा प्रारंभ होने के कुछ ही महीनों में बड़ी संख्या में गंभीर मरीजों को एयरलिफ्ट कर उपचार उपलब्ध कराया गया है। इनमें नवजात शिशु, वरिष्ठ नागरिक, सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल मरीज, हार्ट अटैक एवं न्यूरोलॉजिकल आपात स्थितियां, अंग प्रत्यारोपण जैसे अति संवेदनशील मामले शामिल हैं। इन सभी परिस्थितियों में हर मिनट निर्णायक रहा, जहां एयर एम्बुलेंस ने जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

उपयोगिता में निरंतर वृद्धि- पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा की उपयोगिता में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2025-26 में उपयोगिता में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई। फिक्स्ड विंग एयर एम्बुलेंस की औसत उपयोगिता में 30 प्रतिशत और हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस की उपयोगिता में 17 प्रतिशत वृद्धि हुई है। योजना प्रारंभ से अब तक कुल 118 लाभार्थियों को इस सेवा का सीधा लाभ प्राप्त हुआ है।

एयर एम्बुलेंस सेवा की उपयोगिता के विस्तार हेतु संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गयी है। संशोधित प्रस्ताव में स्वीकृति एवं पात्रता की प्रक्रिया को सरल किया गया है, आपातकालीन उपचार के अतिरिक्त अंगदान हेतु परिवहन, आपदा प्रबंधन, विशेष मेडिकल टीमों को सेवा में शामिल किया गया है।

सेवा के प्रभावी उपयोग हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षकों एवं जिला कलेक्टरों को राज्य स्तरीय समीक्षा बैठकों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियमित दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय बाल कोष के तहत 'केयर एंड एजुकेशन' पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय बाल कोष के तहत केयर एंड एजुकेशन नाम से नई पहल शुरू की गई है। इस राष्ट्रीय कोष के अंतर्गत आतंकवादी हिंसा, वामपंथी उग्रवाद या सीमा पार गोलीबारी से अनाथ या निराश्रित हुए बच्चों को पढ़ाई और देखभाल के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। योजना अंतर्गत पात्र बच्चों की पहचान और सत्यापन जिला मजिस्ट्रेट / कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जायेगा। सत्यापन उपरांत पात्र प्रस्ताव गृह विभाग को प्रेषित किये जायेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा ने बताया कि योजना के तहत हर साल 150 पात्र बच्चों को योजना का लाभ प्रदान किया जायेगा। योजना अंतर्गत कक्षा 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा और कंप्यूटर कोर्स करने वाले बच्चों को 1250 रुपये प्रति माह, स्नातक और स्नातकोत्तर के लिए 1500 रुपये तथा चिकित्सा, इंजीनियरिंग जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु 1750 रुपये प्रति माह की सहायता राशि प्रदान की जायेगी। योजना अंतर्गत 31 दिसंबर 2025 तक महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी के कार्यालय इंदौर में कक्ष क्रमांक-206 द्वितीय तल प्रशासनिक संकुल (कलेक्ट्रेट) में कार्यालयीन समय में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा किए जा सकते हैं।

सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट जरूरीः पुलिस कमिश्नर ने वाहन चालकों को किया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में 30 दिसंबर 2025 को पलासिया चौराहे पर वृहद हेलमेट जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने किया, जबकि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात/जोन-4) श्री आनंद कलादगी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभियान के दौरान पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनने की अपील की। उन्होंने कहा कि हेलमेट न केवल कानून का पालन है, बल्कि यह जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी साधन भी है। उन्होंने वाहन चालकों से अपने परिवार और स्वयं की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

तेलिया तालाब का सीमांकनः क्या कानून भी अब ताक़तवरों से अनुमति लेकर चलेगा?

मंदसौर का तेलिया तालाब आज एक जलस्रोत नहीं, बल्कि एक इम्तिहान बन चुका है

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर का तेलिया तालाब प्रशासन के लिए, नगरपालिका के लिए और कानून के राज के लिए। सवाल सीधा है,जब सर्वोच्च न्यायालय का आदेश मौजूद है, तो तेलिया तालाब का सीमांकन अब तक क्यों नहीं हुआ? 22 मार्च 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि तालाब की सटीक सीमा विधिवत समिति बनाकर, सभी पक्षों को सुनते हुए तय की जाए। यह कोई सुझाव नहीं था, यह देश की सर्वोच्च अदालत का आदेश था। इसके बावजूद दो साल बीत गए, लेकिन न सीमांकन पूरा हुआ, न रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, न जिम्मेदारी तय हुई। आखि़र क्यों?

नगरपालिका और जिला प्रशासन बार-बार ÷प्रक्रिया जारी है÷ का रटा-रटाया जवाब देते रहे। लेकिन जनता यह जानना चाहती है कि प्रक्रिया आखिर चल कहाँ रही है?किस फाइल में? किस टेबल पर? और किसके इशारे पर?यह भी कोई छिपा हुआ सच नहीं है कि सीमांकन होते ही यह उजागर हो जाएगा कि तालाब की ज़मीन पर किस-किस के निर्माण, दुकानें और कब्ज़े खड़े हैं। तब सवाल उठेंगे, नोटिस जारी होंगे और कार्रवाई करनी पड़ेगी।शायद यही कारण है कि सीमांकन को जानबूझकर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। जनता पूछ रही है,क्या तेलिया तालाब का सीमांकन इसलिए नहीं हो रहा क्योंकि इससे कुछ ताकतवर लोगों के हित प्रभावित होंगे? क्या प्रशासन अदालत के आदेश से ज़्यादा किसी और की सुविधा देख रहा है? जिला प्रशासन से यह कोई एहसान नहीं माँगा जा रहा, बल्कि उसका संवैधानिक कर्तव्य पूछा जा रहा है। क्या कलेक्टर यह स्पष्ट करेंगे कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन अब तक क्यों नहीं हुआ? क्या किसी अधिकारी की जिम्मेदारी तय की गई? या फिर सब कुछ देख लेंगे की फाइल संस्कृति में दबा दिया गया? नगरपालिका प्रशासन भी इस सवाल से नहीं बच सकता। हरित क्रांति पर्यावरण समूह के संयोजक असअद अंसारी ने कहा कि तालाब संरक्षण के नाम पर बैठकों और प्रस्तावों की तस्वीरें तो खूब सामने आईं, लेकिन ज़मीन पर एक इंच सीमांकन क्यों नहीं दिखा क्या? श्री अंसारी ने कहा कि नगरपालिका केवल नाम की संरक्षक है, या सचमुच तालाब बचाने की इच्छाशक्ति रखती है? तेलिया तालाब का मामला अब पर्यावरण का नहीं, न्यायपालिका के आदेशों की अवहेलना का मामला बनता जा रहा है। अगर आज एक तालाब के सीमांकन में अदालत के आदेशों को यूँ ही टाल दिया गया, तो कल किसी और सार्वजनिक संसाधन के साथ क्या होगा? जनता जानना चाहती है–सीमांकन कब होगा?रिपोर्ट कब सार्वजनिक होगी?और दो साल से अधिक की इस देरी का जिम्मेदार कौन है?तेलिया तालाब यह सवाल पूछ रहा है, और इसके साथ पूरा शहर पूछ रहा है,क्या कानून सबके लिए बराबर है, या कुछ के लिए सिर्फ कागज़ पर?

इलेक्ट्रिक स्कूटी से 40 किलो, खेत पर मिला 160 किलो डोडाचूरा, दो आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई आबादी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह राठौड़ एवं उनकी टीम ने उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाकर इलेक्ट्रिक स्कूटी से 40 किलो एवं खेत पर 160 किलो कुल 2 क्विंटल डोडाचूरा पकड़ा है, मौके से टीम ने दो आरोपी गिरफ्तार करना उजागर किया है।

पुलिस के अनुसार नई आबादी थाने पर मुखबीर द्वारा सूचना मिली कि दो व्यक्ति एक बिना नंबर की काले रंग की इलेक्ट्रिक स्कूटी वाहन से डोडाचूरा भरकर मंदसौर बायपास तरफ जा रहे है। इस पर थाना नई आबादी टीम द्वारा घेराबंदी कर खेल मैदान के पास बाजखेडी से छाजुखेडा कच्चे रास्ते पर नाकाबंदी की। इस दौरान बिना नंबर का की एक काले रंग की इलेक्ट्रिक स्कूटी से आरोपीगण जाहिद पिता आजाद अजमेरी उम्र 22 वर्ष निवासी बाजखेडी मन्दसौर व सद्दाम पिता मुबारीक अजमेरी उम्र 35 वर्ष निवासीगण बाजखेडी जिला मंदसौर के कब्जे से एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानो का पालन करते हुए इलेक्ट्रिक स्कूटी पर परिवहन किया जा रहा दो प्लास्टिक के कट्टों से कुल 40 किलोग्राम डोडाचुरा को जप्त किया गया। आरोपीगणों से पूछताछ के दौरान खेत पर बनी झोपडी में भण्डारण किया गया 8 काले रंग के प्लास्टिक के कट्टों से कुल 160 किलोग्राम डोडाचूरा जप्त किया गया। इस कार्रवाई में उनि कुलदीपसिंह राठौर थाना प्रभारी नई आबादी, उनि महेन्द्रसिह यादव व थाना नई आबादी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

ग्राम रानीखेड़ी में 33/11 के.व्ही. विद्युत उप केन्द्र निर्माण का हुआ भूमि पूजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंगलवार को मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रानीखेड़ी में 33/11 के.व्ही. विद्युत उप केन्द्र निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। यह विद्युत उप केन्द्र लगभग 3 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से निर्मित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दुर्गा पाटीदार, जनपद पंचायत अध्यक्ष बसंत शर्मा, नानालाल अटोलिया, अधीक्षण यंत्री मंदसौर वृत्त राजेश चंद्र जैन, कार्यपालन यंत्री मंदसौर संभाग दीपक बांदिल एवं कार्यपालन यंत्री एसटीसी पीयूष पंवार सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि विद्युत उत्पादन क्षमता में लगातार वृद्धि की जा रही है, जिससे प्रदेश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए नए विद्युत ग्रिड एवं उप केन्द्रों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। देवड़ा ने कहा कि ग्राम रानीखेड़ी में प्रस्तावित 33/11 के.व्ही. विद्युत उप केन्द्र के निर्माण से आसपास के ग्रामों में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा, वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी तथा ग्रामीणों को निर्बाध और पर्याप्त विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी।

अरूल अरोरा ने सैकड़ों बच्चों को दिया अविस्मरणीय तोहफा, शतरंज का इंटरनेशनल टुर्नामेंट 8 व 9 जनवरी को

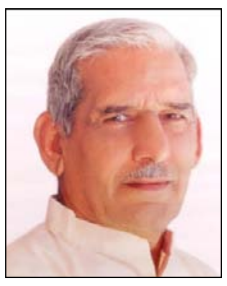

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच एक इतिहास रचने जा रहा है। सैकड़ो बच्चों को वो खुशी मिलने जा रही है जिसकी कल्पना उन्होंने सपने मे भी नही की थी। अब नीमच जिले के बच्चे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना पाएंगे।

ये अवसर आ रहा है नये साल 2026 के आरंभ मे। सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र मे अपूर्व योगदान देकर अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके समाजसेवी अरूल अरोरा नीमच की धरती पर पहली बार अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ(फीडे) का अंतरराष्ट्रीय टुर्नामेंट कराने जा रहे है। अपने दादाजी स्व.कश्मीरी लाल जी अरोरा की पुण्य स्मृति मे ये आयोजन होगा।

डिस्ट्रिक्ट चैस एसोसिएशन नीमच के तत्वावधान मे आल इंडिया चैस फेडरेशन के निर्देशन मे आगामी 8 व 9 जनवरी को स्थानीय लायन डेन मे शतरंज का अंतरराष्ट्रीय टुर्नामेंट आयोजित होगा।

डिस्ट्रिक्ट चैस एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय रत्न गर्ग,उपाध्यक्ष नीतिन साहू ओरगेनाईजिंग कमेटी के अध्यक्ष नरेन्द्र सोनी,उपाध्यक्ष संतोष कोटवानी ने संयुक्त रूप से बताया कि इस एतिहासिक आयोजन की तैयारी जोर शोर से जारी है। फीडे जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्था का टुर्नामेंट कराना हमारे लिए गर्व की बात है। स्पर्धा मे देश विदेश के 300 खिलाड़ी भाग ले रहे है। कुल टोटल 9 राऊंड के मैच होंगे। विजेताओं को एक लाख इक्यावन हजार रूपए के साथ चमचमाती ट्राफी भी प्रदान की जाएगी। बेस्ट एमपी व बेस्ट नीमच को भी पुरूस्कृत किया जाएगा।

श्री गर्ग व श्री सोनी ने बताया कि नीमच के प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए भी नकद ईनाम व मैडल की विशेष व्यवस्था की गई है।

अरूल अरोरा ने बताया कि - इतना भव्य आयोजन शहर के खेलप्रेमियों व नागरिकों के सहयोग से ही संभव है। आपका सहयोग एक स्वर्णिम अध्याय लिखेगा।

तन, मन और धन से भी ऊपर है वन-उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा

उप मुख्यमंत्री ने नगर वन देवडूंगरी अभयारण्य का किया शुभारंभ, पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने ग्राम बुगलिया नई आबादी स्थित देवडूंगरी माता मंदिर परिसर में विकसित नगर वन देवडूंगरी अभयारण्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तन, मन और धन से भी ऊपर वन होता है। साथ ही उपस्थित जनसमूह को पर्यावरण एवं वन संरक्षण की शपथ भी दिलाई। नगर वन देवडूंगरी अभयारण्य भारत सरकार की नगर वन योजना एवं ग्रीन इंडिया मिशन के अंतर्गत विकसित किया गया है। लगभग 1 करोड़ 76 लाख रुपये की लागत से तैयार यह नगर वन 44 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। यहां जैन तीर्थंकर वाटिका, नक्षत्र वाटिका, पक्षी विहार, हवाई गार्डन, एडवेंचर जोन, आर्टिफिशियल झरने सहित पहाड़ी क्षेत्र को हराभरा बनाने के कार्य किए गए हैं। परियोजना का कार्य वर्ष 2020 से प्रारंभ होकर अब पूर्ण हुआ है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने शपथ दिलाते हुए कहा कि मैं वनों, वन्यजीवों एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरा योगदान दूंगा। गांव, विद्यालय एवं आसपास के पर्यावरण की सुरक्षा करूंगा तथा दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल व्यवहार अपनाऊंगा। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, पूर्व विधायक यशपाल सिसोदिया, जनपद अध्यक्ष बसंत शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना, वन मंडल अधिकारी संजय रायखेरे सहित अन्य अधिकारी, स्कूली बच्चे, आमजन एवं पत्रकारगण मौजूद थे। सांसद सुधीर गुप्ता ने बच्चों से संवाद करते हुए तेंदुआ, डायनासोर और अनुभूति कार्यक्रम पर चर्चा की। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि नगर वन की यह परिकल्पना अत्यंत सराहनीय है। पहाड़ी क्षेत्र में वन विकसित करना चुनौतीपूर्ण था, जिसे वन विभाग ने सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री जोन घोषित करने तथा तालाब में बोटिंग सुविधा विकसित करने का सुझाव भी दिया। पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि नगर वन का प्रथम चरण पूर्ण हो चुका है और आगामी चरणों में और भी विकास कार्य किए जाएंगे। यह स्थान शहर और गांव दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक परिसर के रूप में विकसित हुआ है। आगामी समय में इसका और विकास होगा और यह एक लोक परिसर के रूप में उभरेगा।

नई दिल्ली से जारी नोटिस- नीमच कांग्रेस स्थापना दिवस विवाद में कार्यकर्ताओं पर सख्त कार्यवाही का ऐलान

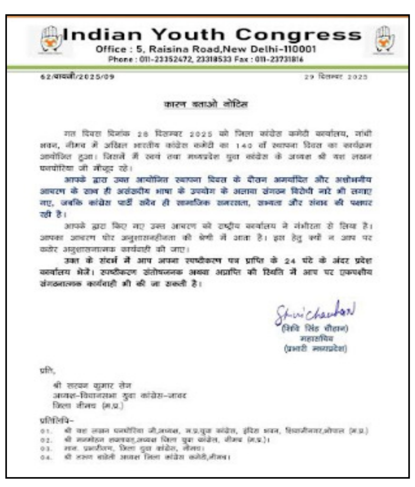
Indian Youth Congress
Office : 5, Raisina Road,New Delhi-110001
Phone : 011-23352472, 23318533 Fax : 011-23731816
62/वाव्यी/2025/09 29 दिसम्बर 2025
कारण बताओ नोटिस
(शिवि सिंह चौहान)
महासचिव
(प्रभारी मध्यप्रदेश)

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के 140 वे स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान गांधी भवन नीमच में हुई घटना अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुच गयी । नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युवा कांग्रेस कार्यालय ने इस घटनाक्रम को गम्भीर मानते हुए समन्धित कार्यकर्ताओं को नोटिस जारी किया है।

घटना के अनुसार जावद विधानसभा यूथ अध्यक्ष श्रवण सैन, राहुल अहीर, अर्जुन गुर्जर, और ऋषि अहीर ने युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष यश लखन घनघोरिया का स्वागत कर उन्हें अलग से स्वागत के लिये ले जाने का प्रयास किया । इसी पर नीमच जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती और उनके समर्थकों ने विरोध जताया। विरोध इतना बढ़ गया कि मंच पर धक्का मुक्की गाली-गलौज ओर गद्दार है गद्दार है के नारे गूंजने लगे, जिससे कार्यक्रम तनावपूर्ण माहौल में बदल गया।

इस पूरे घटनाक्रम को राष्ट्रीय युवा कांग्रेस ने अमर्यादित ओर अशोभनीय व्यवहार माना ओर राहुल अहीर और श्रवण सैन के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया

नोटिस में विशेष रूप से कहा गया कि संघठन विरोधी नारे ओर अनुशासनहीनता कांग्रेस पार्टी की नीतियों और मूल्यों के खिलाफ है ।

इस नोटिस को शिवी सिंह चौहान महासचिव(प्रभारी मध्यप्रदेश) भारतीय युवा कांग्रेस ने जारी किया ।

नोटिस में समन्धित कार्यकर्ताओ से 24 घण्टे के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है । स्पष्टीकरण संतोषजनक नही मिलने की स्थिति में एकपक्षीय संघठनात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी गयी है । इस नोटिस की प्रति कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती को भी भेजी गयीं है ।

नीमच जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने आरोप लगाया कि यह घटना जानबूझकर कार्यक्रम को बिगाड़ने की कोशिश थी

इस विवाद ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह और अनुशासन चुनोती को सार्वजनिक मंच पर उजागर कर दिया है ।

राष्ट्र स्तरीय मंच पर समाजसेवी नाहरू खां मेव एवं डॉ. लोकेंद्र चौधरी का सम्मान किया गया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन के संयोजन में एवं जिला कराते एसोसिएशन मंदसौर के तत्वावधान में 26 से 28 दिसंबर तीन दिवसीय 5 वी राष्ट्रीय फुल कॉन्टैक्ट कराते प्रतियोगिता शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने देश के विभिन्न राज्यों से आए सभी कोच, मैनेजर, रेफरी एवं ऑफिशल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका में सैयद आफताब आलम, असलम खान, धवल कुमावत, यश हीवे, सोनू मेघवाल, कृष्ण गाड़िया, संदीप आर्य, शीतल राठौर, तुलसी बैरागी असमा बी, साहिल बोरीवाल दिव्यांश सोलंकी थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी नाहरू खां मेव, कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता धीरज पाटीदार, विशेष अतिथि जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, थाना प्रभारी यशोधर्मन नगर शिवांशु मालवीय, संस्था संरक्षक अनिल कियावत, अध्यक्ष जनरल सिंधी पंचायत वासुदेव सेवानी , पंडित राजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी दृष्टानंद नैनवानी, पूर्व डीएसपी पुलिस विभाग अब्दुल रशीद खान सीनियर फिजियोथैरेपी डॉक्टर लोकेंद्र चौधरी मंचासीन थे। 5 वी राष्ट्रीय कराते प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में राष्ट्र स्तरीय मंच में दिसंबर माह में चल रहे गौरव दिवस के उपलक्ष पर समाजसेवी नारू खा मेव एवं डॉक्टर लोकेंद्र चौधरी का सम्मान किया गया। संचालन विजय कोठारी एवं प्रतियोगिता संयोजक गगन कुरील ने किया। आभार सैयद आफताब आलम ने माना।

जिला प्रशासन एवं न.पा. की टीम ने नीमच शहर में की बड़ी कार्यवाही

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा नीमच शहर में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध मंगलवार को नीमच शहर में तीन अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्यवाही कर, लगभग 42 करोड़ रूपये मूल्य से अधिक की 6.05 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया है। अतिक्रमण से मुक्त करवाई गई न.पा.नीमच की उक्त जमीन का उपयोग शहर विकास के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट एवं निर्माण कार्यो के लिए किया जावेगा।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देशन में मंगलवार को एसडीएम श्री संजीव साहू, न.पा.सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया, तहसीलदार श्री संजय मालवीय एवं डॉ.अजेन्द्रनाथ प्रजापति की उपस्थिति में राजस्व, पुलिस एवं न.पा.की संयुक्त टीम ने नीमच शहर स्थित नगरपालिका क्षेत्र नीमच की अम्बेडकर कालोनी में खेत नम्बर 5 की 0.50 हेक्टेयर जमीन पर से अवैध अतिक्रमण हटाकर 5 करोड़ रूपये मूल्य की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया है। टीम ने जे.सी.बी. और अन्य मशीनरी की मदद से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की है।

इसके साथ ही प्रशासन की उक्त टीम द्वारा पुराना चर्मशोधन कारखाना के पीछे एवं आसपास स्थित न.पा.नीमच के खेत नम्बर 32 के रकबा 2.4 हेक्टेयर जमीन का कब्जा हटाकर लगभग 19.98 करोड़ मूल्य की जमीन को न.पा.के आधिपत्य में लिया गया है। नायब तहसीलदार डॉ.अजेन्द्रनाथ प्रजापति ने उक्त जानकारी देते हुए मंगलवार को दिनभर चली इस अतिक्रमण हटाओं मुहीम में अम्बेडकर कॉलोनी की पुलिया के पास स्थित भूखण्ड क्रमांक 5 एवं शंभु व्यायाम शाला के पास स्थित भूखण्ड क्रमांक 8 का कब्जा हटाकर, भूखण्ड का आधिपत्य न.पा.नीमच द्वारा लिया गया है। इन भूखण्डों पर न.पा.नीमच ने अपने आधिपत्य का बोर्ड लगा दिया है और भूखण्ड पर प्रीकास्ट बाउण्ड्री की जा रही है।

नीमच पुलिस का तस्करों पर शिकंजा, वर्ष 2025 में ड्रोन और मुखबिर तंत्र की मदद से अवैध मादक पदार्थ तस्करों पर की बड़ी कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2025 में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ नीमच पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए जिले में नशे पर कड़ा प्रहार किया। पुलिस ने कुल 149 प्रकरणों में लगभग 31.78 करोड़ रुपये मूल्य का 196 क्विंटल मादक पदार्थ जप्त किया और 346 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इसके अतिरिक्त, 6 तस्करों की 8.56 करोड़ रुपये की संपत्ति सीज की गई और 5 तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देशन में सभी थाना प्रभारियों ने ड्रोन और मुखबिर तंत्र के माध्यम से अवैध मादक पदार्थ की खेती पर निगरानी रखी और लगातार कार्रवाई की।

मुख्य कार्रवाई के आंकड़े इस प्रकार हैं- डोडाचूरा- 181 क्विंटल 63 किलो ग्राम, 296 आरोपी गिरफ्तार, अफीम- 29.371 किलो ग्राम + 222 हरे पौधे, 25 आरोपी गिरफ्तार, गांजा- 1134 किलो ग्राम, 8 आरोपी गिरफ्तार, स्मैक- 277.75 ग्राम, 17 आरोपी गिरफ्तार, एमडी- 284.12 ग्राम, 17 आरोपी गिरफ्तार, विशेष उल्लेखनीय कार्रवाई में कुकडेश्वर थाना क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से अवैध गांजे की खेती का खुलासा कर 33 हजार पौधे (वजनी 7.64 क्विंटल) जप्त किए गए। नीमच पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और जिले में अवैध नशे की गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाएगा।

जिले के पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण अवश्य करवाएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में एक जनवरी से राष्ट्रीय पशुधन रोग नियंत्रण कार्यक्रम के पशुओं के खुरपका मुँहपका (खुराड़) रोग नियंत्रण हेतु सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। जिले के लगभग तीन लाख गोवंश एवं भैंसवंश में एक जनवरी से खुराड़ रोग नियंत्रण हेतु सघन टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। 1 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक 45 दिनों तक के इस टीकाकरण अभियान में विकासखण्डवार संस्थावार दलों का गठन कर टिकाद्रव?य उपलब्ध करवा दिया गया है।

उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार ने जिले के पशुपालकों से अनुरोध किया है,कि वे इस अवधि? में पशुचिकित्सा विभाग के क्षेत्रीय अमले पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, गौसेवक, मैत्री तथा उज्जैन दुग्ध संघ के कार्यकताओं से समन्वय कर अपने गाँव में शिविर के माध्यम से टीकाकरण करवाए ताकि पशुओं को रोग से बचाया जा सके तथा पशुओ में बीमारी होने पर उपचार पर होने वाले अतिरिक्त खर्च से पशुपालक बच सके। टीकाकरण के दौरान टेग विहिन पशुओं में 12 अंकों का यूनिक टेग भी लगाया जायेगा इसी नम्बर के आधार पर पशुपालक एवं पशु की जानकारी भारत पशुधन एप पर दर्ज की जायेगी।

नीमच व्यापारी संघ चुनाव में घमासान, राकेश भारद्वाज (अफसर) और गोपाल गर्ग (जीजी) में कांटे की टक्कर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच व्यापारी संघ के चुनाव अब निर्णायक और रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुके हैं। अध्यक्ष पद के लिए दो मजबूत दावेदार मैदान में हैं। एक ओर पिछले लगभग 20 वर्षों तक व्यापारी संघ का नेतृत्व कर चुके अनुभवी व्यापारी राकेश भारद्वाज (अफसर) तो दूसरी ओर युवा नेतृत्व के प्रतीक गोपाल गर्ग (जीजी) चुनावी मैदान में हैं।

चुनावी माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है और व्यापारियों के बीच व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। राकेश भारद्वाज अपने 20 वर्षों के कार्यकाल, अनुभव और शांतिपूर्ण व्यापारिक वातावरण को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए समर्थन मांग रहे हैं। उनका कहना है कि व्यापारी संघ का मूल उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं का निष्पक्ष, ईमानदार और समय पर समाधान करना है, जिसे उन्होंने अपने कार्यकाल में प्राथमिकता दी।

भारद्वाज ने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि वे 4 तारीख को निर्भीक होकर मतदान करें और उस प्रत्याशी को चुनें जो मंडी के व्यापार को बिना भय, बिना दबाव और सौहार्दपूर्ण वातावरण में आगे बढ़ा सके।

चुनाव प्रचार के दौरान विधायक दिलीप सिंह परिहार बापू की भी एंट्री हो चुकी है। उन्होंने राकेश भारद्वाज के समर्थन में व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि नीमच मंडी प्रदेश की सर्वसुविधायुक्त मंडियों में से एक है, जहां किसान, व्यापारी और कर्मचारी मिलकर कार्य करते हैं। उन्होंने भारद्वाज को सेवाभावी, अनुभवी और व्यापारियों के सुख-दुख में साथ खड़े रहने वाला व्यक्ति बताया।

वहीं व्यापारियों का कहना है कि राकेश भारद्वाज का 20 वर्षों का कार्यकाल शांतिपूर्ण रहा और उन्होंने कभी किसी व्यापारी को परेशानी नहीं होने दी।

सम्पादकीय

जब न्याय ने स्वयं को याद दिलाया कि वह सत्ता नहीं, संकल्प है

न्याय के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जब सर्वोच्च अदालत अपने निर्णयों से केवल कानून नहीं बोलती, बल्कि राष्ट्र की अंतरात्मा को दिशा देती है। सुप्रीम कोर्ट की न्यायिक दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और साहस की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। 29 दिसंबर 2025 को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ द्वारा दिए गए दो महत्त्वपूर्ण फैसलों ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश की सर्वोच्च अदालत मात्र विधिक व्याख्याकार नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा की सजग और सशक्त संरक्षक है। एक ओर आरावली पर्वतमाला से जुड़े मामले में स्वतः संज्ञान लेकर पूर्व आदेश पर रोक लगाई गई, तो दूसरी ओर उन्नाव प्रकरण में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को दी गई राहत को तत्काल निलंबित किया गया। ये दोनों निर्णय पर्यावरण संरक्षण और पीड़ित अधिकारों की रक्षा में ऐतिहासिक मील के पत्थर हैं। इनके माध्यम से न्यायपालिका की सक्रियता, नैतिक प्रतिबद्धता और जनहित के प्रति उसकी अडिग व निर्भीक दृष्टि पूरी स्पष्टता से उभरकर सामने आती है।

आरावली से जुड़ा नवंबर 20, 2025 का निर्णय का निर्णय खनन गतिविधियों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से रास्ता खोल सकता था, जिससे पर्यावरणीय संतुलन पर गंभीर संकट उत्पन्न होने की आशंका थी। 100 मीटर ऊंचाई और 500 मीटर दूरी की नई परिभाषा के कारण विशाल भू-भाग संरक्षण के दायरे से बाहर जा सकता था। पर्यावरणविदों और नागरिक समाज में इससे गहरी चिंता फैल गई थी। ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट का स्वतः संज्ञान लेकर उस आदेश पर रोक लगाना न्यायिक सजगता का उत्कृष्ट उदाहरण है। अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि पर्यावरण जैसे संवेदनशील विषयों में जल्दबाजी घातक हो सकती है। उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश दूरदर्शी सोच को दर्शाता है।

आरावली पर्वतमाला केवल पहाड़ियों का समूह नहीं, बल्कि उत्तर भारत की जीवनरेखा है। यह भूजल संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु संतुलन और मरुस्थलीकरण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पर्यावरणविदों की आशंका के अनुसार, लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र संरक्षण से बाहर हो सकता था। सुप्रीम कोर्ट की रोक ने न केवल पर्यावरणीय विनाश को थामा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा का संकल्प भी दोहराया। विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी जानकारों से युक्त समिति के माध्यम से बहुआयामी अध्ययन का निर्देश देना यह दर्शाता है कि अदालत भावनाओं से नहीं, विवेक और विज्ञान से निर्णय ले रही है। यह विकास और संरक्षण के संतुलन की सशक्त मिसाल है।

उधर उन्नाव मामला भारतीय न्याय व्यवस्था के सबसे संवेदनशील और पीड़ादायक अध्यायों में से एक रहा है। पीड़िता ने एक प्रभावशाली राजनेता के विरुद्ध न्याय की लड़ाई लड़ी, जिसमें उसे और उसके परिवार को असहनीय यातनाएं झेलनी पड़ीं। पिता की हिरासत में मौत, परिवार पर हमले और लगातार धमकियों के बावजूद उसने हार नहीं मानी। ऐसे में दिसंबर 23, 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद निलंबित किए जाने से समाज में आक्रोश और निराशा फैलना स्वाभाविक था। यह निर्णय पीड़ित पक्ष के घावों को फिर से हरा करने वाला प्रतीत हुआ और न्याय पर विश्वास डगमगाने लगा।

सीबीआई की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने जिस तत्परता से हस्तक्षेप किया, उसने भरोसे को फिर से मजबूत किया। अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश पर तत्काल रोक लगाते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि जघन्य अपराधों में राहत अपवाद नहीं बन सकती। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए। यह फैसला केवल एक आरोपी की रिहाई रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोच को खारिज करता है जिसमें सत्ता, प्रभाव या सहानुभूति के आधार पर अपराध की गंभीरता कम आंकी जाती है। पीड़िता की पीड़ा को न्यायिक मान्यता मिलना लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक था। इन दोनों मामलों में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका न्यायिक सक्रियता की उत्कृष्ट मिसाल बनकर उभरी है। जब कभी कार्यपालिका या अन्य संस्थाएं दबाव, असमंजस या चुप्पी का रास्ता अपनाती हैं, तब न्यायपालिका का हस्तक्षेप लोकतंत्र को संतुलित करता है। आरावली प्रकरण में स्वतः संज्ञान और उन्नाव मामले में त्वरित रोक यह दर्शाती है कि अदालत जनभावनाओं और संवैधानिक मूल्यों दोनों के प्रति सजग है। यह सक्रियता केवल अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का निर्वहन है। इससे आम नागरिक का यह विश्वास गहराता है कि न्याय व्यवस्था निष्क्रिय नहीं, बल्कि सतत जागरूक और जीवंत संस्था है। सुप्रीम कोर्ट के ये निर्णय इस सत्य को और अधिक प्रखरता से स्थापित करते हैं कि न्याय केवल विधिक धाराओं की औपचारिक व्याख्या नहीं, बल्कि नैतिक साहस, संवेदनशील विवेक और संवैधानिक प्रतिबद्धता का जीवंत स्वरूप है। दबावों की आँधी, राजनीतिक प्रभावों की परछाइयाँ और सामाजिक शोरगुल जब सत्य को ढकने का प्रयास करते हैं, तब न्याय के पक्ष में अडिग खड़ा होना असाधारण दृढ़ता की मांग करता है। सर्वोच्च अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके लिए संविधान किसी सुविधा का दस्तावेज नहीं, बल्कि सर्वोच्च मूल्य है। आरावली प्रकरण में विशेषज्ञ समिति का गठन हो या उन्नाव मामले में अनुचित राहत पर सख्त रोक–दोनों फैसले संतुलन, दूरदर्शिता और विवेकपूर्ण साहस की अनुपम मिसाल हैं। ये निर्णय प्रमाणित करते हैं कि न्यायालय तात्कालिक दबावों या प्रभावशाली वर्गों से संचालित नहीं होता, बल्कि जनहित, नैतिकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को अपने केंद्र में रखकर निर्णय करता है।

धर्म प्रेम है तथा क्षमा इस प्रेम का अंग है : श्री माताजी

नववर्ष की आहट चहुं ओर सुनाई देने लगी है।हर ओर गुज़रे हुए समय पर पुनर्विचार व अवलोकन का दौर जारी है। हम सभी के इस वर्ष के अनुभवों में भी कुछ मिठास कुछ खटास अवश्य होगी। कुछ व्यक्तियों, संबंधों के प्रति प्रेम तो कुछ के प्रति क्षोभ के भाव भी होंगे। नव वर्ष का उत्सव की तरह नव संकल्प के साथ स्वागत करने के पीछे शायद यही अवधारणा रही होगी कि हम प्रत्येक नकारात्मक विचार को पीछे छोड़ कर नए उत्साह से जीवन पथ पर आगे बढ़ें। और हम यह नव हर्षमय विजयपथ सिर्फ दो ही शक्तियों, प्रेम व क्षमा के साथ तैयार कर सकते हैं। क्षमा करना या क्षमा प्राप्त करना दोनों ही आत्म ज्ञान के बिना अत्यंत दुष्कर हैं। सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने क्षमा की शक्ति का वर्णन इस प्रकार किया है कि, कलियुग में क्षमा से बड़ी कोई विधि नहीं है। क्षमा की शक्ति जितनी अधिक होगी, आप उतने ही अधिक शक्तिशाली होंगे। सभी को क्षमा करें। क्षमा वही कर सकता है जो बड़ा है। छोटे दिमाग वाला क्या माफ कर सकता है? अपने भीतर जो धर्म है, उसे जानो। आप धर्म में खड़े हैं। जो धर्म में खड़ा है उसके भीतर इतनी जबरदस्त शक्तियां हैं। इस धर्म को जानो। जो धर्म में खड़ा है, उसकी विधि अधर्म में खड़े व्यक्ति से भिन्न है। जो धर्म में खड़ा है, उसका अधर्म में खड़े व्यक्ति से कोई मेल नहीं हो सकता।

और धर्म प्रेम के सिवा और कुछ नहीं है। और अगर प्रेम ही सब कुछ है तो क्षमा उसका अंग बन जाती है। हमारे प्यार को देखकर कोई कितना जुल्म कर सकता है? एक इंसान कितना बुरा कर सकता है? दूसरा आपको कितना परेशान कर सकता है, सब कुछ प्रेम से धुल जाएगा। कलियुग में यही एकमात्र तरीका है जो काम करता है।

धर्म में उत्थान करना सहज योग का लक्ष्य है। अन्य कोई लक्ष्य नहीं है। सीधा हिसाब है। आपको अपने धर्म में जागृत होना होगा, आपको अपना प्रकाश प्राप्त करना होगा और स्वयं को जानना होगा। बिना क्षमा के भीतर पवित्रता नहीं आ सकती। जब पवित्रता आएगी तब धर्म का प्रकाश फैलेगा शुद्ध और निर्मल। नववर्ष में नवसंकल्प ले आत्मसाक्षात्कार के प्रकाश में अपनी अंतर्निहित प्रेम व क्षमा की शक्ति को सुदृढ़ बनाएं। आनंदमय व संतुलित उन्नति को प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान के जीवंत अनुभव का अवसर स्वयं को अवश्य प्रदान करें।

शुभकामनाओं से संकल्प तक, सशक्त बनें देश की नारी शक्ति

नव वर्ष केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं होता, यह चेतना का पुनर्जागरण होता है। नया आकाश,नई उड़ान और नई दिशा का संकेत होता है। नव वर्ष 2026 का आगमन यदि मात्र औपचारिक शुभकामनाओं, संदेशों और उत्सवों तक सीमित रह जाए, तो यह समय और अवसर दोनों के साथ अन्याय होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि यह नव वर्ष नई ऊर्जा, नई दृष्टि और ठोस कार्ययोजना का वर्ष बने–विशेषतः स्त्रियों, बच्चों और बुजुर्गों के संपूर्ण सम्मान, संरक्षण और वास्तविक अधिकारों की सुनिश्चितता के लिए। श्रेष्ठ भारत के निर्माण का मार्ग सशक्त नारी से होकर ही गुजरता है।

भारतीय संस्कृति और इतिहास में नारी को सदैव सर्वोच्च स्थान प्राप्त रहा है। ÷यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता÷ केवल एक श्लोक नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन का मूल सूत्र है। जिस घर, समाज और राष्ट्र में स्त्री का सम्मान होता है, वहां समृद्धि केवल आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक, सांस्कृतिक और मानवीय रूप में भी पुष्पित-पल्लवित होती है। यही कारण है कि भारत को भारत माता कहा गया–यह केवल भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है।

नारी ने सदैव भारत के मान-सम्मान को वैश्विक स्तर पर ऊंचा रखा है। इतिहास से लेकर वर्तमान तक असंख्य उदाहरण हमारे सामने हैं, जिन पर राष्ट्र गर्व करता है। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट का यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है–÷मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा।÷ यह कथन मातृत्व की उस शक्ति को रेखांकित करता है, जो राष्ट्र की नींव को संस्कार, अनुशासन और दायित्वबोध से सुदृढ़ करती है।

मानव कल्याण, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि रखते हुए महिलाओं ने मां के रूप में राष्ट्र निर्माण की आधारशिला रखी है। महिलाएं केवल जीवन को जन्म नहीं देतीं, वे जीवन को दिशा देती हैं। बच्चों के व्यक्तित्व, चरित्र और राष्ट्रीय चेतना के निर्माण में मां की भूमिका निर्णायक होती है। यही कारण है कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महिलाओं का योगदान अप्रत्यक्ष होते हुए भी सबसे गहन और प्रभावशाली होता है। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद और स्वामी विवेकानंद जैसी विभूतियां केवल ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं हैं, वे मातृ-संस्कारों की जीवंत प्रतिमाएं हैं।

भारतीय इतिहास माताओं के त्याग, तप और दूरदृष्टि से आलोकित है। जीजाबाई ने शिवाजी जैसे राष्ट्रनायक को गढ़ा, पन्ना धाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर मेवाड़ की अस्मिता बचाई, जयंताबाई जैसी माताओं ने राष्ट्रधर्म को जीवन से ऊपर रखा। माताएं ही बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं,वे बालक को केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनाती हैं। इस दृष्टि से नारी राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार है।

नारी का स्वरूप केवल बाह्य सौंदर्य तक सीमित नहीं, वह अंतर्मन की विराटता का प्रतीक है। विविधता में एकता नारी का स्वभाव है भाषा, वेश-भूषा और संस्कृति भिन्न हो सकती है, पर स्त्री का मूल भाव करुणा, सृजन और संरक्षण में एक समान होता है। नारी प्रकृति और ईश्वर के मध्य सेतु है एक दिव्य साध्य, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र दृष्टि और संवेदनशील चेतना की आवश्यकता होती है। वह अमृत वरदान भी है और समाज के रोगों की दिव्य औषधि भी। सभ्यता, संस्कृति, संस्कार और परंपराओं का पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण महिलाओं के माध्यम से ही संभव हुआ है। स्त्री ही परिवार की प्रथम शिल्पकार है और समाज की नैतिक संरक्षिका। सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है–यह कथन आज के समय में केवल नारा नहीं, बल्कि विकास का व्यावहारिक सत्य है।

मां शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है; इसके बाद बहन, पत्नी और सहचरी के रूप में नारी जीवन-पथ की पथप्रदर्शक बनती है। इतिहास साक्षी है कि पत्नी चाहे तो पति को गुणवान बना सकती है और चाहे तो उसे पतन से भी बचा सकती है।

जब भी राष्ट्र पर संकट आया, पत्नियों ने अपने पतियों को तिलक लगाकर रणभूमि में भेजा और विजय का विश्वास दिया। तुलसीदास को आध्यात्मिक चेतना देने में रत्नावली की भूमिका हो या कालिदास को महाकवि बनाने में विद्योत्मा का योगदान–इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि नारी केवल प्रेरणा नहीं, परिवर्तन की शक्ति है। यह भी सत्य है कि भ्रष्टाचार, बेईमानी और अनैतिकता जैसी बुराइयों से पति और परिवार को दूर रखने में स्त्री की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं का योगदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरुणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा, सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने संघर्ष और नेतृत्व दोनों में अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किए। राजनीति और प्रशासन के क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की–विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसी नेताओं ने निर्णायक नेतृत्व दिया।

वर्तमान भारत में भी महिलाएं राजनीति, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रशासन और रक्षा जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा जैसी अनेक महिलाएं अपने कार्यों से यह सिद्ध कर चुकी हैं कि नारी नेतृत्व केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि परिणामकारी होता है।

नव वर्ष 2026 से अपेक्षा है कि यह सशक्तिकरण को नारे से नीति तक ले जाने का वर्ष बने। स्त्री, बच्चों और बुजुर्गों के लिए समग्र कार्ययोजना बने–शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आर्थिक स्वावलंबन और सम्मान की गारंटी के साथ। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, मानसिकता में परिवर्तन और सामाजिक सहभागिता–इन तीनों के बिना वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं।

सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए, यह नव वर्ष एक संकल्प बने कि भारत केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों की विश्वगुरु शक्ति बने। कृतज्ञ राष्ट्र अपनी माताओं, बहनों और बेटियों को साधुवाद अर्पित करता है और उनके चरणों में नमन करता है।

-संजीव ठाकुर

बच्चों पर संकट

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं।

-डॉ विजय गर्ग

बढ़ते कामकाजी जीवन के दबाव में बिखरते परिवार

भाग-दौड़, प्रतिस्पर्धा और आकांक्षाओं से भरे आधुनिक जीवन में परिवार के लिए समय निकालना आज केवल एक भावनात्मक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक अस्तित्व का प्रश्न बनता जा रहा है। वर्ष 2025 की विदाई और 2026 की अगवानी की इस संधि बेला में खड़े होकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो साफ दिखाई देता है कि विकास, तकनीक और कैरियर की दौड़ ने हमें सुविधा तो दी, लेकिन संबंधों की ऊष्मा धीरे-धीरे छीन ली। परिवार, जो सदियों से मनुष्य का सबसे सुरक्षित आश्रय रहा है, आज स्वयं असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। प्रश्न यह नहीं है कि आधुनिकता गलत है, प्रश्न यह है कि क्या आधुनिक जीवन शैली में परिवार व्यवस्था को बचाने की हमारी इच्छाशक्ति और समझ उतनी ही मजबूत है या नहीं?

व्यस्ततम, घटनाबहुल एवं कामकाजी जिंदगी जीने के साथ परिवार के लिए वक्त निकालना आज के इंसान के लिए ज्यादा जरूरी हो गया है। परिवार से यह जुड़ाव व्यक्ति को न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से भी खुशनुमा रहने की ताकत देता है। इस सोच के बीच ताजा अध्ययन में आया यह तथ्य सचमुच चौंकाने वाला और चिंताजनक है कि काम के बोझ व परिवार को समय नहीं दे पाने से उपजी परिस्थितियों से निजात पाने के लिए साठ फीसदी से ज्यादा लोग अपनी मौजूदा नौकरी को बदलना चाहते हैं। ग्रेट प्लेस टू वर्क का यह अध्ययन भारत के कामकाजी लोगों के लिए और भी गंभीर है क्योंकि वर्क-लाइफ बैलेंस की ग्लोबल रैंकिंग में हम 42 वें स्थान पर हैं।

आज कामकाजी जीवन का दबाव इतना बढ़ चुका है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से घर में मौजूद होते हुए भी मानसिक रूप से दफ्तर में ही रहता है। डिजिटल कनेक्टिविटी ने समय और स्थान की सीमाएं मिटा दी हैं, लेकिन इसी के साथ उसने घर और कार्यस्थल के बीच की स्वाभाविक दीवार भी तोड़ दी है। मोबाइल फोन, लैपटॉप और ऑनलाइन मीटिंग्स ने परिवार के साथ बैठकर बातचीत करने, एक-दूसरे की बात सुनने और महसूस करने के अवसरों को सीमित कर दिया है। विडंबना यह है कि हम परिवार के लिए मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उसी मेहनत की कीमत परिवार से दूरी बनाकर चुका रहे हैं।

वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को शुरू में वरदान माना गया था, लेकिन धीरे-धीरे यह भी परिवारिक जीवन के लिए एक नई चुनौती बन गई। घर अब विश्राम और संवाद का स्थान न रहकर कार्यालय का विस्तार बन गया है। बच्चों के सामने माता-पिता लगातार स्क्रीन में उलझे रहते हैं, पति-पत्नी के बीच संवाद की जगह नोटिफिकेशन ले लेते हैं और बुजुर्गों की बातें अक्सर 'बाद में' की श्रेणी में डाल दी जाती हैं। ऐसे में परिवार एक साथ रहते हुए भी भीतर से बिखरता चला जाता है। यह बिखराव केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि संस्कारों, परंपराओं और आपसी जिम्मेदारियों का भी है।

कॉर्पोरेट कार्यशैली में बढ़ते लक्ष्य, बढ़ता प्रतिस्पर्धात्मक दबाव और बॉस संस्कृति ने व्यक्ति को लगातार यह एहसास कराया है कि यदि वह रुका तो पीछे रह जाएगा। इस डर ने जीवन की गति को इतना तेज कर दिया है कि ठहराव, आत्मचिंतन और संबंधों के लिए समय निकालना कमजोरी समझा जाने लगा है। जबकि सच यह है कि मजबूत परिवार ही व्यक्ति को मानसिक स्थिरता, आत्मविश्वास और जीवन की कठिनाइयों से जूझने की ताकत देता है। जब यह आधार कमजोर होता है, तो व्यक्ति बाहर से सफल दिखते हुए भी भीतर से टूटने लगता है।

सोशल मीडिया ने इस संकट को और गहरा किया है। एक ही छत के नीचे रहते हुए भी परिवार के सदस्य अलग-अलग आभासी दुनिया में जी रहे हैं। दिखावे की खुशी, तुलना की प्रवृत्ति और निरंतर उपलब्ध रहने का दबाव रिश्तों में असंतोष और तनाव पैदा कर रहा है। हम दूसरों की जिंदगी पर नजर रखने में इतने व्यस्त हो गए हैं कि अपने घर के भीतर चल रही भावनाओं को समझने का समय ही नहीं बचा। यह स्थिति यदि यूं ही चलती रही तो परिवार केवल एक संरचना बनकर रह जाएगा, जिसमें आत्मा का अभाव होगा। ऐसे समय में आदर्श और अनुकरणीय परिवार व्यवस्था की पुनर्स्थापना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं।

इसके लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि करियर और परिवार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। यह सोच बदलनी होगी कि सफलता का पैमाना केवल पद, पैसा और प्रतिष्ठा है। यदि इन सबके बीच परिवार में संवाद, स्नेह और अपनापन नहीं है, तो ऐसी सफलता अधूरी ही नहीं, खोखली भी है। नए वर्ष में हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम अपने समय, ऊर्जा और प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करेंगे।

परिवार को बचाने के लिए किसी बड़े सिद्धांत की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों की जरूरत है। घर में रहते हुए कुछ समय तकनीक से दूरी बनाना, साथ बैठकर भोजन करना, बच्चों और बुजुर्गों की बातों को ध्यान से सुनना और एक-दूसरे की भावनाओं को महत्व देना, ये सब साधारण लगने वाले कदम ही परिवार को फिर से जोड़ सकते हैं। यह समझना जरूरी है कि गुणवत्ता पूर्ण समय केवल घंटों की संख्या से नहीं, बल्कि उस समय में मौजूद संवेदनशीलता और सहभागिता से तय होता है। नई परिवार व्यवस्था का अर्थ यह नहीं कि हम पुरानी परंपराओं को ज्यों का त्यों लौटा लें, बल्कि यह है कि हम आधुनिक जीवन की वास्तविकताओं के बीच संबंधों के मूल्यों को सुरक्षित रखें। जहां दोनों पति-पत्नी कामकाजी हैं, वहां जिम्मेदारियों का संतुलित बंटवारा, आपसी सहयोग और सम्मान परिवार को मजबूत बना सकता है। बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा की दौड़ के लिए तैयार करने के बजाय उन्हें भावनात्मक बुद्धिमत्ता, संवेदनशीलता और रिश्तों की अहमियत सिखाना भी उतना ही जरूरी है। बुजुर्गों को बोझ नहीं, बल्कि अनुभव और संस्कार की धरोहर मानकर सम्मान देना परिवार की आत्मा को जीवित रखता है।

घर पर रहते हुए भी कार्यस्थल से डिजिटल कनेक्टिविटी ने अलग तरह के तनाव को जन्म दिया है। रही-सही कसर घर से कार्यस्थल की लंबी दूरी पूरी कर देती है जहां व्यक्ति को दिनभर का बड़ा हिस्सा सफर में बिताने की मजबूरी का सामना भी करना पड़ता है। खतरे की बात यह भी है कि दफ्तर में काम का दबाव कई बार व्यक्ति का आत्मविश्वास भी कमजोर कर देता है। यह बात और है कि संस्थानों में काम के घंटे बढ़ाने का मुद्दा भी हमारे यहां बहस का विषय बनता रहा है। तर्क यह भी दिया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर उत्पादकता बढ़ाने का विकल्प कार्य के घंटे बढ़ाना ही हो सकता है। इसीलिए श्रम कानून में भी काम के घंटे बढ़ाने की छूट दी जा रही है। इसमें दो राय नहीं कि अधिक से अधिक कमाने की चाहत के साथ-साथ कार्यस्थल पर काम का बोझ भी बढ़ा है।यह भी जरूरी है कि संस्थान और समाज दोनों स्तरों पर वर्क-लाइफ बैलेंस को गंभीरता से लिया जाए। केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि कार्यसंस्कृति में मानवीय दृष्टिकोण को शामिल करना होगा। उत्पादकता का अर्थ केवल लंबे काम के घंटे नहीं, बल्कि संतुलित और संतुष्ट कर्मचारी भी है। जब व्यक्ति का पारिवारिक जीवन स्थिर होता है, तभी वह कार्यस्थल पर रचनात्मक और प्रभावी योगदान दे पाता है।

नए वर्ष की दहलीज पर खड़े होकर यह आत्ममंथन जरूरी है कि यदि हमने आज परिवार को प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल सुविधाएं तो मिलेंगी, लेकिन संबंधों की गर्मी नहीं। परिवार केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि साथ महसूस करने की प्रक्रिया है। यदि यह प्रक्रिया टूट गई तो समाज की नींव कमजोर हो जाएगी।

इसलिए 2026 की ओर कदम बढ़ाते हुए हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम तकनीक का उपयोग जीवन को सरल बनाने के लिए करेंगे, संबंधों को प्रतिस्थापित करने के लिए नहीं। करियर की ऊंचाइयों के साथ-साथ परिवार की जड़ों को भी सींचेंगे, ताकि आधुनिकता और मानवीयता के बीच संतुलन बना रहे। यही संतुलन एक नई, सशक्त और अनुकरणीय परिवार व्यवस्था की नींव रख सकता है, जो बदलते समय में भी रिश्तों की रोशनी को बुझने नहीं देगा।

-ललित गर्ग

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने रचा इतिहास, मरीज़ मुंबई में और सर्जन शंघाई में, 5,000 किमी की दूरी से की भारत की पहली क्रॉस-बॉर्डर रोबोटिक सर्जरी हुई सफल

कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई ने भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय रिमोट रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक करके एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल की है। यह सर्जरी मुंबई में दो मरीजों पर की गई, जबकि ऑपरेटिंग सर्जन डॉ. टी. बी. युवराजा (डायरेक्टर-ग्रुप, यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी) 5,000 किलोमीटर दूर शंघाई में थे। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन से मंजूरी मिलने के बाद, भारत में तौमाई रिमोट रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का यह पहला सीमा-पार नैदानिक अनुप्रयोग है। यह उपलब्धि देश की दूरस्थ शल्य चिकित्सा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है।

यह ऐतिहासिक प्रक्रिया मुंबई में दो मरीजों पर की गई, जिसमें रोबोट की सहायता से रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी और पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इन जटिल यूरोलॉजिकल सर्जरी को 5,000 किलोमीटर से अधिक दूर बैठे एक विशेषज्ञ सर्जन द्वारा रिमोटली संचालित किया गया, जो जटिल शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं के लिए लंबी दूरी के रोबोटिक हस्तक्षेप की सुरक्षा, सटीकता और विश्वसनीयता को प्रमाणित करता है। दोनों सर्जरी तौमाई0 सिस्टम का उपयोग करके रिमोट तरीके से (दूर बैठे) की गईं, जो वर्तमान में टेली-सर्जरी के लिए यूएस एफडीए स्टडी द्वारा अध्ययन की मंजूरी पाने वाला एकमात्र रोबोटिक सर्जिकल प्लेटफॉर्म है। इन प्रक्रियाओं ने वास्तविक समय में सर्जिकल नियंत्रण और उच्च सटीकता का प्रदर्शन किया, जिससे मरीज की सुरक्षा से कोई समझौता किए बिना विशाल भौगोलिक दूरी के बावजूद सफलता हासिल की गई।

इन अंतरराष्ट्रीय सर्जरी को हाई-स्पीड, स्थिर डेटा ट्रांसमिशन और कई सुरक्षा-आश्वासन टेक्नोलॉजी द्वारा संभव बनाया गया। इस सिस्टम ने मात्र 132 मिलीसेकंड की अल्ट्रा-लो बाईडायरेक्शनल लेटेंसी के साथ वास्तविक समय में सर्जिकल नियंत्रण सुनिश्चित किया, जिससे यह प्रक्रिया उसी सटीकता, सुरक्षा और विश्वसनीयता के साथ पूरी हुई जैसी ऑन-साइट रोबोटिक सर्जरी में होती है। इस न्यूनतम विलंबता ने सर्जरी के दौरान उपकरणों की सुचारू आवाजाही, सटीक विच्छेदन और विश्वसनीय निष्पादन को सुनिश्चित किया।

कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल में यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी के निदेशक (ग्रुप), डॉ. टी. बी. युवराजा ने इन सर्जरी को रिमोटली संपन्न किया। उन्होंने इसके पहले 4,100 से अधिक रोबोटिक प्रक्रियाएं की हैं। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए डॉ. टी. बी. युवराजा ने कहा, रिमोट रोबोटिक सर्जरी में उच्च गुणवत्ता वाली सर्जिकल देखभाल तक पहुंच को पूरी तरह बदलने की क्षमता है। दो बड़े देशों के बीच इन प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा करना, कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल की नई तकनीक, सुरक्षा और उत्कृष्ट मरीज देखभाल के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस उपलब्धि ने पूरे भारत और दुनिया भर में विश्व स्तरीय उपचार प्रदान करने के नए रास्ते भी खोले हैं।

प्रक्रिया के दौरान तौमाई सिस्टम का प्रदर्शन असाधारण रहा और इसका रिमोट कंट्रोल बेहद सुचारू, स्थिर और सटीक पाया गया। इसने सर्जन को उसी आत्मविश्वास और सटीकता के साथ जटिल प्रक्रियाओं को पूरा करने में सक्षम बनाया, जैसा कि प्रत्यक्ष रूप से की जाने वाली रोबोटिक सर्जरी में होता है। यह पड़ाव साबित करता है कि रिमोट रोबोटिक सर्जरी न केवल व्यवहार्य है, बल्कि सुरक्षित और नैदानिक रूप से प्रभावी भी है। यह बड़ी उपलब्धि भारत में टेलीसर्जरी के एक नए युग की शुरुआत का संकेत है, जहाँ अब भौगोलिक दूरियाँ विश्व स्तरीय सर्जिकल विशेषज्ञता तक पहुंच को सीमित नहीं करेंगी और तकनीक-आधारित स्वास्थ्य सेवा मरीजों तक कहीं भी पहुंच सकेगी।

इस राष्ट्रीय स्तर की पहली उपलब्धि के साथ, कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल ने सर्जिकल देखभाल प्रदान करने के तरीके को फिर से परिभाषित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है। 5,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी से सफल ऑपरेशन सुनिश्चित करके, तौमाई0 सिस्टम ने रिमोट और स्मार्ट सर्जरी के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। इन दो प्रक्रियाओं की सफलता न केवल टेलीसर्जरी की क्षमता की पुष्टि करती है, बल्कि भारत और दुनिया भर में रिमोट हेल्थकेयर प्रणालियों के भविष्य के विकास के लिए मूल्यवान क्लिनिकल अनुभव भी प्रदान करती है।

कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल के सीईओ और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. संतोष शेट्टी ने कहा, तौमाई सिस्टम को सीडीएससीओ की मंजूरी मिलने के बाद, इंटरकॉन्टिनेन्टल रिमोट रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक करने वाला भारत का पहला अस्पताल बनना हमारे संस्थान और भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपनाने और भारत में सर्जिकल देखभाल के भविष्य को आकार देने में कोकिलाबेन धीरुभाई अंबानी हॉस्पिटल के नेतृत्व को और मजबूत करती है। उन्होंने आगे कहा, उन्नत रोबोटिक्स को सुरक्षित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ जोड़कर, अस्पताल ने यह प्रदर्शित किया है कि कैसे विशेषज्ञ सर्जिकल विशेषज्ञता को परिणामों से समझौता किए बिना अलग-अलग महाद्वीपों तक पहुंचाया जा सकता है। यह उपलब्धि नवाचार, मरीज़ों की सुरक्षा और क्लिनिकल उत्कृष्टता के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह उन्नत सर्जिकल देखभाल की पहुंच बढ़ाने की नई संभावनाएं खोलता है, विशेष रूप से दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के मरीज़ों के लिए।

इन प्रक्रियाओं का सफल निष्पादन कोकिलाबेन अस्पताल के पूर्णकालिक विशेषज्ञों, अस्पताल के कर्मचारियों, तकनीकी भागीदारों और मुंबई एवं शंघाई दोनों स्थानों की इंजीनियरिंग टीमों सहित मल्टी-डिसिप्लिनरी क्लिनिकल टीमों के बीच घनिष्ठ सहयोग से संभव हुआ। उनके समन्वित प्रयासों ने निर्बाध कनेक्टिविटी, कठोर सुरक्षा प्रोटोकॉल और त्रुटिहीन क्लिनिकल निष्पादन सुनिश्चित किया।

ऑल इंडिया आंगनवाड़ी एम्प्लॉयीज़ फेडरेशन की राष्ट्रीय बैठक संपन्न

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ व सहायिकाओं की लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की रूपरेखा तय

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑल इंडिया आंगनवाड़ी एम्प्लॉयीज़ फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक होटल रॉयल, करोल बाग, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रभावती सिंह ने की, जबकि संचालन फेडरेशन की राष्ट्रीय महासचिव सावित्री चौधरी द्वारा किया गया। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी में संयोजक बालमुकुंद सिन्हा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रंजना राणा, राष्ट्रीय सचिव प्रभावती सिंह का सर्वसम्मति से निर्विरोध चयन किया गया। बैठक में अन्य प्रदेशों से भी पदाधिकारी उपस्थित रही।

इस अवसर पर फेडरेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला खत्री ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि फेडरेशन को अनुभवी, सक्षम और संघर्षशील नेतृत्व मिला है। इनके अनुभव और मार्गदर्शन से आगामी आंदोलनों को निश्चित रूप से मजबूती मिलेगी और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ व सहायिकाओं की समस्याओं के समाधान की दिशा में निर्णायक सफलता प्राप्त होगी। श्रीमती खत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं केंद्र एवं राज्य सरकार की अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं को जमीनी स्तर पर पूरी निष्ठा से लागू करती हैं, इसके बावजूद उन्हें वेतन के नाम पर अत्यंत अल्प मानदेय दिया जा रहा है, वह भी समय पर नहीं। यह स्थिति अत्यंत अन्यायपूर्ण और अमानवीय है। उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट के उस निर्णय का उल्लेख किया, जिसमें कार्य के अनुरूप आंगनबाड़ी की कार्यकर्ताओ को 24,800 एवं सहायिकाओं को 20,000 रूपये दिए जाने को न्यायोचित ठहराया गया है। इसके बावजूद संबंधित सरकारों द्वारा न्यायालय के आदेशों की अवहेलना किया जाना आंगनबाड़ी कर्मियों के प्रति गंभीर संवेदनहीनता को दर्शाता है। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ओ एवं सहायिकाओं की लंबित मांगों को पूरा कराने के लिए क्रमबद्ध एवं राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा। इसके तहत 12 जनवरी 2026 को देश के सभी जिलों में जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि इसके पश्चात भी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 17 फरवरी 2026 को रामलीला मैदान, दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर का विशाल धरना एवं जनसभा आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताए एवं सहायिकाएं भाग लेंगी। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ मध्य प्रदेश की महामंत्री रंजना जना राणा द्वारा भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की न्याय पूर्ण मांगों को लेकर 12 जनवरी 2026 को प्रदेश की सभी बहनों द्वारा ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को दिया जाएगा। हमारी मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो 17 फरवरी को दिल्ली जाकर राष्ट्रीय स्तर पर धरना आंदोलन रखा जाएगा। सभी मध्य प्रदेश की बहनों से निवेदन है कि अपनी एकता का प्रदर्शन दिखाएं। प्रदेश उपाध्यक्ष रानी सिंह द्वारा सभी आंगनबाड़ी संगठन अपनी बहनों को हमारा संघर्ष सफल बनाने के लिए आव्हान किया। मध्य प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रुक्मणी यादव यादव के द्वारा मध्य प्रदेश की सभी यूनियन से आंगनबाड़ी बहने आकर आंदोलन सफल बनाने का आव्हान किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सिंह ने 100 से अधिक आवेदकों की समस्याएं सुन निराकरण के निर्देश दिये

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर मंगलवार को कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने जनसुनवाई में आये आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर के 100 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्या कलेक्टर श्री सिंह को बताई। कलेक्टर श्री सिंह ने आवेदकों की समस्याएं सुन संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री संजीव कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, डिप्टी कलेक्टर श्री अभिषेक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

आर्थिक सहायता राशि दिलाई जाए- जनसुनवाई में आवेदिका संगीता निवासी खेरी ने आवेदन दिया कि उनके पति की मृत्यु खेत पर कार्य करते हुए विद्युत दुर्घटना से हुई है। मुझे आज दिनांक तक किसी भी योजना से आर्थिक सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई है। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

मुआवजा राशि दिलाई जाये- जनसुनवाई में आवेदक सौभालसिंह निवासी पीपल्याबक्सु ने कृषि भूमि से कंपनी द्वारा पाइप लाइन बिछाने पर मुआवजा राशि दिलाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

बीपीएल सूची में नाम दर्ज कराया जाये- जनसुनवाई में आवेदक इरफान निवासी देवास ने बीपीएल सूची में नाम दर्ज कराने के संबंध में दर्ज कराने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

खेत में जाने का रास्ता खुलवाया जाये- जनसुनवाई में आवेदक श्री शिवनारायण निवासी सुनवानी महांकाल ने खेत में जाने का रास्ता खुलवाने के संबंध में आवेदन दिया। आवेदन पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारी को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही के निर्देश दिये।

ये आवेदन भी हुए प्राप्त- जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामाकंन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

जीतने के बाद हारने वालों को लगाया गले

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। दुपाड़ा रोड स्थित सहज पब्लिक स्कूल में चल रहे वार्षिक खेल महोत्सव का मंगलवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुआ। पांच दिनों तक चले इस खेल महोत्सव में बच्चों ने अनुशासन के साथ अपना गेम तो खेला, लेकिन इन खिलाड़ियों ने खेल भावना का परिचय देते हुए अपने प्रतिद्वंदी को हराने के बाद उसे गले भी लगाया।

26 दिसंबर से चल रहें वार्षिक खेल महोत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा था। इस दौरान विद्यालय में इंटर हाउस क्रिकेट मैच का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी खेल क्षमता से सभी को प्रभावित किया। इसके साथ ही संस्कृतिक कार्यक्रम में ग्रुप डांस, सोलो डांस, सोलो सिंगिंग, तात्कालिक भाषण, चित्रकला आदि प्रतियोगिताओं में भी बच्चों ने भाग लेते हुए अपने अंदर छुपी हुई प्रतिभा से सभी को परीचित करवाया। मंगलवार को भी विद्यालय परिसर में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके बाद प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण-पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सबसे खास बात यह रही कि जिन खिलाड़ियों ने सफलता अर्जित की उन्होंने अपने से हारने वाले प्रतिद्वंदी को हार का आभास कराने के बजाए अपने गले लगाकर डटे रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

खेल भावना के साथ रखे प्रतिस्पर्धा- इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि केवल खेल में ही नहीं बल्कि आने वाले जीवन में भी प्रतिस्पर्धा बनाए रखें और हर हाल में जीत को अपना लक्ष्य बनाए रखें। क्योंकि प्रतिस्पर्धा ही हमें लक्ष्य हासिल करने हेतु प्रेरित करती है। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि आपके व्यवहार से किसी को ठेस न पहुंचे। यही एक अच्छे खिलाड़ी और अच्छे इंसान की पहचान होती है। विद्यालय संचालिका आशा जैन ने कहा कि इन खेल महोत्सव में जो आप लोगों ने अपनी खेल भावना व अनुशासन का परिचय दिया है उसे आगे भी बनाए रखें। यह आपके व्यक्तित्व को और निखारेगी और आपकी सफलता की आभा बढ़ाएगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित थे।

पुरस्कृत कर किया प्रोत्साहित- इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अंकुर जैन ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। साथ ही जो लोग सफलता नहीं पा सके या मामूली अंतर से जीत हासिल करने से चुक गए उन्हें भी डॉ. जैन द्वारा सांत्वना पुरस्कार देकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

सड़क सुरक्षा को लेकर जन चौपाल

हेलमेट रैली भी निकली, ग्रामीणों को बताई राहवीर योजना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए यातायात विभाग लगातार अभियान चला रहा है। इसी क्रम में सोमवार रात पतोली गांव में जन चौपाल आयोजित की गई, जबकि आज सुबह शाजापुर शहर में हेलमेट जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान जनचौपाल भी लगाई गई, जिसमें ग्रामीणों को राहवीर योजना के बारे में बताते हुए मिलने वाली राशि व इसके लिए जागरूक भी किया गया।

जिले के ग्राम पतोली में आयोजित जन चौपाल में यातायात थाना प्रभारी सौरभ शुक्ला पुलिस बल के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीणों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा के महत्व और सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। थाना प्रभारी सौरभ शुक्ला ने बताया कि राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले का नाम किसी भी रिकार्ड में दर्ज नहीं किया जाता। उन्होंने सरकारी सहायता योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि घायल को अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपए, अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर घायल को बचाने पर 50 हजार रुपए और मृत्यु की स्थिति में दो लाख रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। इसके अलावा केशलैस योजना के तहत डेढ़ लाख रुपए तक का निशुल्क इलाज भी उपलब्ध कराया जाता है। जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने का आश्वासन दिया।

पीएम स्वनिधि योजना का लाभ लेकर कन्नौद के राजकुमार मोर्य बने आत्मनिर्भर, शुरू किया स्ट्रीट फूड का कार्य

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की मंशा है कि प्रदेश के नागरिक आत्मनिर्भर बने और सफलता की नई गाथा लिखें। इसके लिए शासन द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का लाभ पाकर युवा सफल आर्थिक उद्यमी बन रहे हैं तो कई अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनकर सफलता के नए आयाम को हासिल कर रहे हैं। इन्हीं हितग्राहियों में देवास जिले के कन्नौद निवासी राजकुमार मौर्य हैं, जिन्होंने शासन की पीएम स्वनिधि योजना से ऋण लिया तथा राजा फुड्स के नाम से अपना स्वयं का रोजगार स्थापित किया। आज वे इस रोजगार से अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। वे शासन की रोजगारमूलक योजना के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दे रहे हैं।

हितग्राही राजकुमार मौर्य ने बताया कि वे एक पथ विक्रेता है। इस कार्य से वे अपने परिवार की आजीविका चला रहे हैं। हितग्राही ने बताया कि उन्होंने पी.एम. स्वनिधि योजना के अंतर्गत निकाय से 10 हजार रूपये का लोन प्राप्त किया, जिससे उन्होंने एक फास्ट फूड का काम प्रारंभ किया। निकाय द्वारा निर्मित हॉकर्स झोन में स्थान उपलब्ध कराया। इस फूड्स झोन से वे तरह-तरह के फास्ट फूड बनाकर बेचते हैं। उनका फूड्स झोन अच्छे से संचालित हो रहा हैं।

उन्होंने बताया कि पी.एम. स्वनिधि योजना के 10 हजार रूपये के लोन को भरने के बाद बैंक द्वारा 20 हजार रूपये का ऋण प्रदान किया गया, जिससे उन्होंने अपने व्यवसाय को बढ़ाया। आज उनका व्यवसाय एक लोकप्रिय व्यवसाय में बदल गया। वे बताते हैं कि कड़ी मेहनत और सही अवसर मिलने पर कोई भी व्यक्ति आत्मनिर्भर बन सकता है और अपने सपनों को पूरा कर सकता है। वे शासन की रोजगारमूलक योजना के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दे रहे हैं।

कॉलेज परिसर में घुसे एक दर्जन से अधिक बदमाश, छात्रों पर किया लाठी-डंडों से हमला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन कालेज में मंगलवार दोपहर छात्रों के साथ मारपीट की गई। इस घटना में एक छात्र के सिर में गंभीर चोट आई, वहीं 4 छात्र घायल हो गए। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें करीब 20 युवक छात्रों पर लाठी व डंडों से हमला करते दिख रहे है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

छात्रों ने बताया कि मंगलवार दोपहर को कॉलेज परिसर में अचानक एक दर्जन से अधिक हथियारों से लैस होकर घुस आए और छात्रों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। वीडियो में कई युवक एक छात्र को घेरकर पीटते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। बदमाशों ने बीच-बचाव करने आए छात्रों पर भी हमला किया और उन पर भी लाठियां बरसाई।

तीन छात्र हुए घायल, एक के सिर में आई गंभीर चोट- हमले में तीन छात्र घायल हुए हैं, जिनमें से एक के सिर में गंभीर चोट आई है। सभी का इलाज शासकीय अस्पताल में चल रहा है। घायल छात्रों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही छात्रों ने कालेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग उठाई है।

छात्रों ने प्राचार्य को दिया आवेदन- घटना की सूचना मिलते ही लालघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी युवक वहां से भाग चुके थे। घटना के बाद कॉलेज परिसर में दहशत का माहौल है। वहीं छात्रों में नाराजगी देखी गई। दोपहर करीब 3 बजे कालेज के छात्रों ने प्रभारी प्राचार्य को शिकायती आवेदन दिया। आवेदन में बताया गया कि नियमित छात्र विजय धाकड़, अरविंद चौकुटिया और सुनील गुर्जर पर आरोपी मनीष नाथ, बलराज सौराष्ट्रीय, विक्की सहित करीब 25 युवकों ने लोहे की रॉड और पाइप से हमला कर दिया।

इनका कहना है- कालेज परिसर में मारपीट की घटना हुई है। घायल छात्र विजय धाकड़ थाने पहुंचा था, जिसे मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

- अर्जुनसिंह मुजाल्दे, थाना प्रभारी-लालघाटी

विमुक्त जाति स्वरोजगार योजना का लाभ देवास की राजु बाई किराने की दुकान का कर रही है संचालन

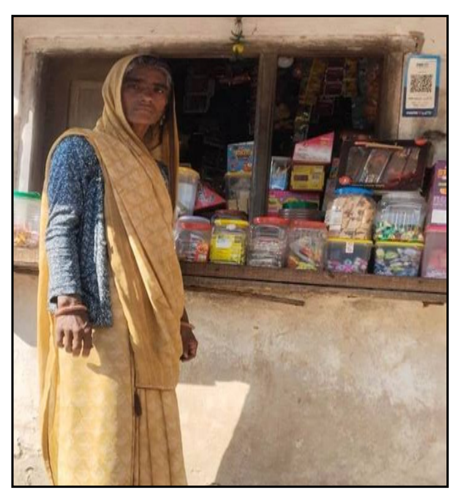

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अंतर्गत कार्यालय पिछड़ा वर्ग अल्पसंख्यक कल्याण/ विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग देवास द्वारा विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु योजना हेतु विमुक्त जाति के लोगों ऋण प्रदान किया जाता है।

योजना का लाभ लेकर हितग्राही अपना स्वयं का रोजगार प्रारम्भ कर रहे है। इन्हीं हितग्राहियों में देवास की रहने वाली श्रीमती राजु बाई है। जिन्होंने योजना का लाभ लेकर स्वयं का रोजगार स्थापित किया है। श्रीमती राजु बाई ने बताया कि वह रोजगार के लिए संघर्षरत थी। वे स्वयं का रोजगार शुरू करना चाह रही थी। परंतु राशि के अभाव में यह करना असम्भव प्रतीत हो रहा था। इसी परिपेक्ष्य में वर्ष 2025-26 में शंकरगढ़ देवास में रहने वाली राजु बाई द्वारा विमुक्त जाति स्वरोजगार योजना का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन स्वीकृत होने पर इन्हें इंडियन ओवरसीज बैंक देवास से 01 लाख रूपये का ऋण प्राप्त हुआ। श्रीमती राजु बाई ने ऋण मिलने के पश्चात् शंकरगढ़ देवास में किराने का व्यवसाय शुरू किया है। किराने कि दुकान से उन्हें 05 से 08 हजार रूपये तक का लाभ हो जाता है। उनके द्वारा नियमित किस्त जमा की जा रही है। मुख्यमंत्री विमुक्त घुमन्तु स्वरोजगार योजना अंतर्गत ऋण प्राप्त होने से एवं आत्मनिर्भर बनने पर वे बहुत खुश है तथा योजना के संचालन के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद दे रही है।

परिणय गार्डन की जमीन पर बनेगा गीता भवन

हाईवे पर गीता भवन के लिए जमीन का हुआ आवंटन, शहर के लिए विधायक ने दी एक और सौगात

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री की अतिमहत्वकांक्षी गीता भवन योजना को अब धरातल पर उतारने के लिए शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने शहरवासियों को गीता भवन की एक नई सौगात दी है। वाटर वर्क्स के आगे लीज की जमीन पर परिणय गार्डन हुआ करता था, जिसे सरकार ने मुक्त कराया था. यह जमीन लंबे समय से खाली पड़ी थी, जिसे शाजापुर कलेक्टर ने अपने प्रकरण क्रमांक 002/अ-20 (5) 2025-26 आदेश दिनांक 29 दिसंबर को उक्त भूमि नगर पालिका शाजापुर को गीता भवन के निर्माण हेतु आवंटित कर दी।

गौरतलब है जिला मुख्यालय स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 375 रकबा 0.1880 हेक्टेयर, 377/8 मिन - 1 रकबा 0.1890 हेक्टेयर, 378/2 रकबा 0.1050 हेक्टेयर, 358/5 रकबा 0.0520 हेक्टेयर, 378/7 रकबा 0.990 हेक्टेयर एवं 378/11 रकबा 0.1150 हेक्टेयर भूमि गीता भवन निर्माण हेतु निकाय को भूमि स्वामी हक में आवंटन करने हेतु निर्धारित प्रारूप एक में आरसीएमएस पर आवेदन किया गया, जिसकी जांच नजूल अधिकारी शाजापुर द्वारा की गई। नजूल अधिकारी ने जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और उक्त भूमि नजूल भूमि वर्तमान में राजस्व अभिलेख में दर्ज है, जो संबंधित विभाग को अंतरित किया जाना उचित है। कलेक्टर ऋजु बाफना ने अपने आदेश में उक्त भूमि पर माननीय उच्च न्यायालय के खंडपीठ इंदौर में प्रकरण क्रमांक 2411/2020 वर्तमान में प्रचलित है, उक्त प्रकरण में कोई स्थगन आदेश नहीं है। महूपुरा तहसील शाजापुर स्थित शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 377/8 मिन 1 रकबा 0.1890 हेक्टेयर 378/2 0.1050 हेक्टेयर, 378/5 रकबा 0.0520 हेक्टेयर, 378/7 रकबा 0.1990 हेक्टेयर, 378/11 रकबा 0.1150 कुल 5 रकबा 0.660 हेक्टेयर भूमि गीता भवन निर्माण हेतु नगर पालिका शाजापुर को भू स्वामी हक में आवंटन करने हेतु हस्तांतरित करने की अनुशंसा की गई है। मप्र शासन के राजस्व विभाग द्वारा परिपत्र क्रमांक 6-75-2019 24 सितंबर 2020 में दिए गए प्रावधानों के तहत प्रकरण में निर्णय लिए जाने हेतु जिला नजूल निवर्तन समिति की बैठक 29.12.2025 को आयोजित की गई। समिति द्वारा प्रकरण का परीक्षण किया गया और उक्त भूमि गीता भवन के निर्माण हेतु आवंटित की गई।

शाजापुर को मिली गीता भवन की नई सौगात- शाजापुर विधायक अरुण भीमावद ने शाजापुर शहर को पुराने हाईवे पर स्थित लीज पर संचालित परिणय गार्डन की जमीन को गीता भवन की सौगात शहरवासियों को दी गई, जिसमें गीता भवन बनकर तैयार होगा और शहरवासियों को एक नई सौगात गीता भवन के रूप में मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की थी कि हर जिले में गीता भवन बनाया जाएगा। इसी को देखते हुए उक्त जमीन को कलेक्टर ऋजु बाफना ने नगर पालिका को आवंटित करते हुए विधायक अरुण भीमावद की पहल पर उक्त जमीन आवंटित की गई।

जमीन का मामला न्यायालय में है, स्थगन नहीं- एबी रोड पर परिणय गार्डन संचालित होता था। उक्त जमीन नजूल की भूमि थी, जो लीज पर दी गई थी। लीज समाप्त होने के बाद उक्त जमीन प्रशासन ने खाली कराई थी और तभी से उक्त जमीन खाली पड़ी है। इस मामले में परिणय गार्डन के संचालकगण इंदौर हाईकोर्ट गए, जहां ये मामला अभी प्रचलन में है, लेकिन इस जमीन पर न्यायालय द्वारा कोई स्थगन आदेश नहीं दिया गया। आखिरकार ये जमीन अब गीता भवन के लिए आवंटित की गई।

भव्य गार्डन और 500 सीटर कान्फ्रेंस हाल के अलावा अन्य सुविधाएं रहेंगी- गीता भवन की परिकल्पना में 500 सीटर कान्फ्रेंस हाल, एक भव्य गार्डन के अलावा अन्य सुविधाएं भी इसमें शामिल हैं। वाचनालय की भी सुविधा रहेगी और यहां धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन भी हो सकेंगे। शाजापुर में संभवतः गीता भवन पहला ऐसा भवन होगा, जो मेट्रो शहर की तर्ज पर विकसित होगा। जिस प्रकार इंदौर-उज्जैन-भोपाल में जैसे शासकीय नाट्य गृह हैं, उसी प्रकार शाजापुर में गीता भवन तैयार होगा।

इनका कहना है- मुख्यमंत्री मोहन यादव की परिकल्पना को साकार करने के लिए शाजापुर में गीता भवन के लिए प्रशासन द्वारा जमीन आवंटित की गई है। यह सौगात शहरवासियों के लिए रहेगी। निश्चित तौर पर गीता भवन शाजापुर में जल्द ही आमजनों के लिए बनकर तैयार होगा।

- अरुण भीमावद, विधायक-शाजापुर

जैविक खेती से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे है जिले के किसान मुकेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैविक खेती से जिले के ग्राम दुलबा के किसान श्री मुकेश गुर्जर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे है। किसान श्री मुकेश गुर्जर ने वर्ष 2017 में जैविक खेती को अपनाकर न केवल अपनी खेती की लागत को कम किया, बल्कि स्वस्थ उत्पादन और बेहतर आय का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने लगभग 4 एकड़ भूमि में पूर्णतः जैविक खेती प्रणाली अपनाई है और वर्तमान में वे मुख्यतः बागवानी फसलों की खेती कर रहे हैं। श्री गुर्जर अपने खेत में आम, केला, अनार, अदरक जैसी बागवानी फसलों का सफलतापूर्वक उत्पादन कर रहे हैं। इन फसलों के लिए उन्होंने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का पूर्णतः त्याग कर जैविक इनपुट्स पर आधारित खेती प्रणाली विकसित की है।

किसान श्री मुकेश गुर्जर द्वारा खेत में जैविक संसाधनों गोबर खाद (फाइम), वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत, दशपर्ण अर्क, खेत में उपलब्ध सामग्री से तैयार जैविक कीटनाशक एवं रोगनाशक घोल का नियमित उपयोग किया जाता है। विशेष बात यह है कि वे सभी प्रकार के जैविक कीटनाशक और रोग नियंत्रण घोल स्वयं अपने खेत पर ही तैयार करते हैं, जिनमें किसी भी प्रकार के रासायनिक तत्वों का प्रयोग नहीं किया जाता।

जैविक खेती प्रणाली अपनाने से फसल की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। कीट एवं रोगों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ है। मिट्टी की संरचना एवं जल धारण क्षमता में सुधार हुआ है। उत्पादित फलों की गुणवत्ता एवं स्वाद बेहतर हुआ है। बाजार में जैविक उत्पादों की अच्छी मांग प्राप्त हो रही है।

श्री मुकेश गुर्जर अन्य किसानों को संदेश देते हैं कि वे धीरे-धीरे जैविक खेती को अपनाएँ, स्थानीय संसाधनों का उपयोग करें और रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करें। उनके अनुसार जैविक खेती न केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम है, बल्कि कम लागत में स्थायी और लाभकारी कृषि का सशक्त विकल्प भी है।

सीहोर जिले की उपलब्धियाँ : शासन की योजनाओं से विकास के हर क्षेत्र में ठोस परिणाम

सीहोर जिले ने विकास के सभी मानकों पर दर्ज की उल्लेखनीय प्रगति

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री बालागुरू के. के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के साथ ही सीहोर जिला विकास की जिस निरंतर और तेज़ रफ़्तार से आगे बढ़ा है, उसने इसे मध्यप्रदेश के प्रगतिशील जिलों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर अवसंरचना निर्माण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, उद्योग एवं रोजगार में वृद्धि, जल-संरक्षण की व्यापक पहल, महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण, कृषि में आधुनिक तकनीकों का अपनाव और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, इन सभी ने मिलकर जिले की विकास-यात्रा को नया आयाम दिया है।

सीहोर जिले में विगत दो वर्षों में लाड़ली लक्ष्मी योजना में 13458 अनुमोदन और 1.43 लाख प्रमाणपत्र जारी किए गए, लाडली बहना योजना में 2,42,773 बहनों को 949.52 करोड़ रूपये की राशि प्रदान की गई और मातृ वंदना योजना में 28,000 से अधिक महिलाओं को लाभ मिला। स्वास्थ्य सेवाओं में 5 PHC, 4 CHC और एक सिविल अस्पताल सहित 38 उप-स्वास्थ्य केंद्र NQAS प्रमाणित हुए, आयुष्मान कार्ड वितरण में जिले ने 101.8 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की और 170 ग्राम पंचायतें टीबी-मुक्त घोषित की गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्व-नेत्र परीक्षण भी पहल की गई है। जिसके माध्यम से व्यक्ति स्वयं भी अपने नेत्रों का परीक्षण कर सकता है। जिले में 1467 किसानों को जैविक खेती से जोड़ा गया, 50 कृषि सखियों और 3125 किसानों को हस्र्स्न के तहत चयनित किया गया और लगभग 36 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में माइक्रो इरिगेशन विस्तार से सिंचाई क्षमता में वृद्धि हुई।

धान और गेहूँ उपार्जन में जिले ने लगभग 5.5 लाख मीट्रिक टन उपार्जन किया और किसानों को 1300 करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया, जबकि अन्न योजना से 2.31 लाख परिवारों को हर माह खाद्यान्न मिला। सीहोर जिले में पिछले दो वर्षों में भवन निर्माण के अंतर्गत 37 कार्यों को 100.63 करोड़ की लागत से पूरा किया गया, जिनमें पिपलानी, लाडकुई, चकल्दी और बिलकिसगंज के जनजातीय छात्रावास, सीहोर का 100 सीटर कन्या छात्रावास, आधुनिक आईटीआई भवन और संयुक्त तहसील भवन जैसे महत्वपूर्ण निर्माण शामिल हैं। सीहोर जिले की इछावर जनपद के ग्राम भाउखेड़ी में आजीविका पार्क की स्थापना की गई, जो जिले के 148 स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित है। आजीविका पार्क में विभिन्न विभागों के अभिसरण से गौशाला, फल-सब्जी उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, मछली पालन, जैविका खाद निर्माण सहित अनेक गतिविधियां संचालित हैं। भाउखेड़ी में संचालित यह मनरेगा पार्क महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक अनोखी पहल है, इस पार्क की सभी इकाइयों का संचालन स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जाता है। इस पार्क में अनेक राज्यों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि अवलोकन के लिए भी आते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत प्रदेश के साथ ही जिले की सभी जनपदों में स्वच्छता साथी कार्यक्रम के तहत "Wash On Wheels" पहल का शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत 50 स्वच्छता साथी गांव-गांव जाकर अपनी स्वच्छता सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और संस्थागत शौचालयों की साफ-सफाई का कार्य कर रहे हैं। सीहोर जिला इस पहल के क्रियान्वयन में प्रदेश में तीसरे और संभाग में प्रथम स्थान पर है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 27.85 किलोमीटर सड़क और 3 पुलों का निर्माण पूरा किया गया, वहीं विपणन बोर्ड ने 141 किलोमीटर से अधिक सड़कों का 120.07 करोड़ की लागत से उन्नयन कर ग्रामीण कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अंतर्गत 27 में से 15 कार्य पूरे हुए और 9 कार्य प्रगतिरत हैं, जिन पर कुल 22.74 करोड़ से अधिक खर्च किया जा रहा है। छीपानेर, डोबी और द्वस्क्क पार्वती जैसी तीन प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं पर तेजी से कार्य चल रहा है, जिनसे हजारों हेक्टेयर सिंचित क्षमता बढ़ेगी।

जल जीवन मिशन के तहत जिले के 66,651 परिवारों को नलजल कनेक्शन प्रदान कर 91.09 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है। नीलकंठ जल प्रदाय योजना के माध्यम से 6,984 परिवारों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराया गया है। पिछले दो वर्षों में जिले में 406 नए उद्यम पंजीकृत हुए, जिनसे 2,404 लोगों को रोजगार मिला, जबकि उद्यम क्रांति योजना में 368 हितग्राहियों को 21.50 करोड़ और स्र्स्स्ध प्रोत्साहन योजना में 29 इकाइयों को 36.97 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई। मनरेगा में 904 खेत तालाब, 2519 डगवेल रिचार्ज कार्य और 83 अमृत सरोवर पूरे किए गए, जबकि लखपति दीदी अभियान में 19,740 महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त बनीं और ई-साइकिल योजना में 300 साइकिलें वितरित की गईं। सीहोर जिले के ग्रामों में पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत विगत 02 वर्षों में कुल 13,189 आवास पूर्ण कराए गए। इसके साथ ही आवास प्लस सर्वे 2024 में 1,13,144 परिवार जोड़े गए। शिक्षा विभाग ने लैपटॉप योजना में 5,541 छात्रों को लाभ दिया, 9 में से 8 सीएम राइज स्कूल भवन तैयार किए और बोर्ड परीक्षाओं में जिले ने लगातार प्रदेश के शीर्ष 10 जिलों में स्थान बनाया। सामूहिक विवाह योजना में 3,012 कन्याओं का विवाह कराया गया, दिव्यांगजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना में 2,067 हितग्राही शामिल हुए और पेंशन योजनाओं से हजारों परिवारों को नियमित सुरक्षा मिली है।

उन्होंने बताया कि श्रम विभाग ने संबल योजना और निर्माण श्रमिक मंडल के माध्यम से 1,068 हितग्राहियों को कुल 23.59 करोड़ की सहायता वितरित की है। जिले में पर्यटन विकास निगम द्वारा 17.66 करोड़ की लागत से 15 पर्यटन संबंधी कार्य पूर्ण किए गए, जिससे पर्यटन ढाँचे को एक नई मजबूती मिली। अमृत 2.0, स्र्क्स्न और शहरी अधोसंरचना योजनाओं के अंतर्गत जिले के नगरीय निकायों में 80,62 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्य पूरे किए गए, जिससे शहरों की जलापूर्ति, जल निकासी और सड़क संरचना मजबूत हुई। मत्स्य संपदा योजना में 33 नए तालाब, 10 आइस बॉक्सयुक्त मोटरसाइकिल, 2 थ्रीव्हीलर और 4 बायोफ्लॉक यूनिट्स स्वीकृत की गईं, साथ ही धरती आबा योजना के अंतर्गत 11 हितग्राहियों को आइस बॉक्सयुक्त मोटरसाइकिलें प्रदान की गईं। पशुपालन विभाग ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 4,468 हितग्राहियों को पशुधन आधारित आर्थिक सहायता प्रदान की। सहकारिता विभाग ने दो वर्षों में 27 बी-पैक्स, 16 दुग्ध समितियाँ और 3 मत्स्य समितियों का पुनर्गठन किया तथा 70 समितियों को ई-पैक्स के रूप में विकसित करते हुए हजारों सदस्यों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से जोड़ा। उद्यानिकी विभाग ने ड्रैगन फ्रूट, गुलाब और जरबेरा जैसे उच्च आय वाली फसलों को प्रोत्साहित करते हुए पॉलीहाउस और प्रोसेसिंग यूनिट्स पर लाखों रुपये के अनुदान स्वीकृत किए।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस की कार्यवाही

तीन दो पहिया एवं एक चार पहिया वाहन किया जप्त

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। 31 दिसम्बर को मद्धेनजर रखते हुये कानुन व्यवस्था बनाये रखने के लिए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है । इसी के चलते बड़नगर पुलिस द्वारा वरिष्ठ अधिकारीयो के निर्देशो के पालन में 31 दिसम्बर 2025 एवं 01 जनवरी 2026 को मद्धेनजर रखते हुये थाना क्षैत्र में शराब पीकर वाहन चलाने वालो के विरूद्ध सतत् कार्यवाही करते हुये तीन दो पहिया वाहन एवं एक चार पहिया वाहन कुल चार वाहन चालको के विरूद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये चारो वाहनो को जप्त किया गया है, एवं थाना क्षैत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं जानमाल की हानी रोकने के लिए कार्यवाही वृहद स्तर पर आगे भी जारी रहेगी ।

इनके के खिलाफ की गई कार्यवाही-

1-सुरेश पिता नंदू गामड उम्र 35 साल निवासी आमला रोड़ बड़नगर-मोटर सायकल

2-राकेश पिता राधेश्याम चौधरी उम्र 35 साल निवासी -मोटर सायकल

3-दिलीप पिता नंदी डामर उम्र 23 साल निवासी ग्राम खेडी थाना बदनावर जिला धार-मोटर सायकल

4-हेमन्त पिता प्रमोद मेहरा उम्र 24 साल निवासी कोर्ट चौराहा बडनगर-वेन्यू कार

प्याज-लहसुन की फसल में सूक्ष्म पोषक तत्व, जैव उर्वरक व संतुलित उर्वरक डालें

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी मौसम में प्याज व लहसुन की उन्नत किस्मों का चयन करें, बीजोपचार कर प्याज का रोपा डालें एवं लहसुन की बुवाई शीघ्र पूर्ण करें। प्याज व लहसुन की फसल में संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करें।वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि प्याज की उन्नत किस्में, बीज दर, नर्सरी प्रबंधन प्याज की उन्नत किस्में एग्री फाउंड रेड, भीमा रेड, भीमा श्वेता, भीमा शुभ्रा हैं। बीज 10 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग करें। नर्सरी डालने के लिए 01 मीटर चौड़ी, 15-20 सेमी ऊंची एवं 8-10 मीटर लम्बी क्यारियां बनाएं। क्यारियों के बीच दूरी 30 सेमी रखें। बीज को नर्सरी में बुवाई पूर्व फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। पौध पीली पड़ने कीस्थिति में एनपीके उर्वरक 19~19~19 की मात्रा 5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि कृषि प्याज की फसल में खाद-उर्वरक, खरपतवार नियंत्रण, सिंचाई प्रबंधन रोपण के समय डीएपी की मात्रा 110 किग्रा व यूरिया की मात्रा 120 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग करें। डीएपी की पूरी मात्रा व नत्रजन की एक तिहाई मात्रा रोपाई के समय दें। शेष दो तिहाई मात्रा को दो बराबर भागों में बांटकर रोपाई के 30 दिन व 45 दिन के बाद करें। सूक्ष्म पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए जिंक सल्फेट 21त्न मात्रा 25 किग्रा प्रति हैक्टेयर एवं जैव उर्वरक एजोस्पाइरिलम व फास्फोरस घोलक जीवाणु 5 किग्रा प्रति हैक्टेयर की दर से उपयोग करें। पौध रोपाई के 3 दिन के भीतर खरपतवार नाशक दवा पेंडामिथिलीन 30 ईसी मात्रा 3.25 लीटर प्रति हैक्टेयर या ऑक्सीफ्लोरफेन 23.5 प्रतिशत मात्रा 650 मिली प्रति हैक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। खड़ी फसल में 30-35 दिन की अवस्था पर खरपतवार नाशक क्विजेलोफॉफ इथाइल ऑक्सीफ्लोरफेन 6 प्रतिशत मात्रा 01 लीटर प्रति हैक्टेयर या प्रोपाक्यूजाफॉफ 5 प्रतिशत + ऑक्सीफ्लोरफेन 12 प्रतिशत मात्रा 875 मिली प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

सत्र 2026-27 में स्नातकोत्तर प्रवेश हेतु सीयूईटी (पीजी) अनिवार्य

राजगढ़/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सत्र 2026-27 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट को अनिवार्य कर दिया गया है। इस संबंध में उच्च शिक्षा आयुक्तालयमध्यप्रदेशभोपाल द्वारा समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों को निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के अनुसार अब स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश केवल सीयूईटी (पीजी) अथवा संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ही मान्य होगा। जारी दिशा-निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि मेजर/माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को भी सीयूईटी (पीजी) उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा कंप्यूटर आधारित परीक्षा के रूप में आयोजित की जाएगी। एनटीए द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सीयूईटी (पीजी) 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर 14 जनवरी 2026 तक चलेगी। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि भी 14 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार हेतु 18 जनवरी 2026 तक का समय दिया जाएगा।

करोड़ों की सीसी निर्माण का पूर्व मंडल अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

श्री सिसोदिया ने दो टूक शब्द मे निर्माण धिन कार्य कर रहे ठेकेदार को किया निर्देशित

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक एवं मंत्री इंदर सिंह परमार नेतृत्व में क्षेत्र में किया जा रहा है विकास कार्य के तहत ही ग्राम मदाना गांव में सरस्वती शिशु मंदिर से बाड़ी गांव मार्ग तक करीब तीन किमी की पक्की सड़क मंजूर करवाई थी जिसके चलते रोड बनाकर पूरी तरह से तैयार हो गई थी लेकिन ग्राम मदाना गांव स्थित आबादी क्षेत्र में मंगलवार को सीसी रोड निर्माण ठेकेदार द्वारा प्रारंभ किया है मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री सूरज सिंह जी सिसोदिया वरिष्ठ ग्राम के देवीसिंह सिसोदिया हजारीलाल लोहार मनोहर प्रजापत की मौजूदगी में सीसी रोड निर्माण का निरीक्षण किया यहां श्री सिसोदिया ने निर्माण दिन कार्य के ठेकेदार को दो टूक शब्दों में उच्च स्तरीय सामग्री से निर्माण कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है

श्री सिसोदिया सहित ग्राम के अनेक ग्रामीण जन पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व से ही उक्त रोड को पक्की सड़क के लिए मांग कर रहे थे लेकिन इंदर सिंह परमार ने पिछले विधानसभा चुनाव में अपने प्रचार के दौरान मदाना पहुंचे थे इसी दौरान पथरिया के जंगल स्थित ग्रामीण जनों को आश्वासन दिया था कि जल्द ही आपकी रोड बनवा दी जाएगी और आज वह रोड बनकर तैयार हो गई है ग्रामीण क्षेत्र व आबादी क्षेत्र में सीसी रोड का निर्माण कार्य चल रहा है जिसकी आज श्री सिसोदिया ने मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता जांची है साथी ग्रामीण जनों ने ठेकेदार सहित मंत्री इंदर सिंह परमार से सीसी रोड के दोनों और पानी निकासी के लिए नाली निर्माण की भी मांग की।

एसआईआर के द्वितीय चरण का कार्य प्रारंभ

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) का द्वितीय चरण प्रारंभ हो गया है। इसके तहत जिन मतदाताओं का मैपिंग कार्य नहीं हुआ है उन्हें राजस्व अधिकारियों के माध्यम से नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नोटिस जारी होने के सात दिवस में मतदाताओं को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करना होंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी।

कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में सोमवार की शाम को आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के द्वितीय चरण के संबंध में विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सभी राजस्व अधिकारियों को उक्त कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही राजस्व प्रकरणों के साथ ही शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर सात कर्मचारियों को कारण बताओ सूचना पत्र भी जारी करने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने समीक्षा के दौरान राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर तहसीलदार गिरवाई, तहसीलदार रेहट, तहसीलदार सुपावली, अनुविभागीय अधिकारी मुरार के रीडर, गिरवाई के रीडर, लश्कर के रीडर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

राजस्व न्यायालयों में जो आदेश जारी किए जा रहे हैं उन पर अमल भी हो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने राजस्व अधिकारियों से कहा है कि किसानों की फार्मर आईडी बनाने का जो अभियान चलाया जा रहा है उसे पूरी गंभीरता के साथ किया जाए। आने वाले दिनों में ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किसानों को खाद का वितरण किया जाना है। फार्मर आईडी के माध्यम से जिले में किसानों की कहां-कहां जमीन हैं उसका भी रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने स्वामित्व अभियान के तहत जिले में जिन हितग्राहियों को भूखण्ड आवंटित किए गए हैं उनके सत्यापन के लिये भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि 4 जनवरी से पूर्व प्रत्येक जिले के प्रत्येक तहसीलदार 5 गाँवों में 100 लोगों, एसडीएम 5 ग्रामों में एवं एडीएम 3 3 गाँवों में जाकर सत्यापन कार्य का अवलोकन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक आयोजित, कलेक्टर ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उद्यम विभाग के निर्देशानुसार गठित जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक कलेक्टर एवं बोर्ड अध्यक्ष श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बोर्ड के समस्त शासकीय एवं अशासकीय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिले में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योगों के समग्र विकास को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक में कहा कि जिले में स्र्स्स्ध उद्योग रोजगार सृजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए इनके समुचित संवर्धन हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने उद्योग क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्रों में पानी, सड़क, बिजली एवं मोबाइल नेटवर्क जैसी आवश्यक सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे। कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी उद्योग को विभागीय प्रक्रियाओं में कठिनाई आ रही है तो उसका त्वरित निराकरण किया जाए, ताकि उद्यमियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

बैठक में मध्यप्रदेश स्र्स्स्ध विकास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, जिले में नए उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन, तथा संचालित उद्योगों की समस्याओं के समाधान जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की अनुशंसाएं व्यवस्थित रूप से तैयार कर राज्य स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड को भेजी जाएं, जिससे जिले की औद्योगिक आवश्यकताओं को राज्य स्तर पर उचित समर्थन मिल सके। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विगत बैठक मे दिए निर्देश एवं बिंदुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में यह भी बताया गया कि बोर्ड की बैठकों के माध्यम से उद्योगों से जुड़ी समस्याओं की नियमित समीक्षा की जाएगी और प्रत्येक तीन माह में बैठक आयोजित कर प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले को औद्योगिक दृष्टि से सशक्त बनाने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। बैठक में उद्यम विभाग के महाप्रबंधक श्री अनुराग वर्मा, बोर्ड के शासकीय एवं अशासकीय सदस्य, उद्योगों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्राइवेट स्कूलों को ऑनलाइन अपलोड करनी होगी फीस, स्टेशनरी, पाठ्य पुस्तक व गणवेश की जानकारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संचालित जो प्राइवेट स्कूल 31 दिसम्बर तक निर्धारित प्रारूप में अपने विद्यालय से संबंधित जानकारियां एवं फीस, स्टेशनरी, पाठ्य पुस्तक व गणवेश से संबंधित जानकारी विभागीय पोर्टल https://dpimp.in पर अपलोड नहीं करेंगे, उनके खिलाफ प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जायेगी।

राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस तथा अन्य संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम व नियमों के तहत प्राइवेट स्कूलों को यह जानकारी अनिवार्यत~ पोर्टल पर अपलोड करना है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा भी गत 12 नवम्बर को लिखित आदेश जारी कर जिले में संचालित सभी प्राइवेट स्कूलों को विभाग के पोर्टल पर 31 जनवरी तक स्टेशनरी, पाठ्य पुस्तकें व गणवेश इत्यादि से संबंधित जानकारी अपलोड कर इसकी हार्डकॉपी जिला शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री हरिओम चतुर्वेदी से प्राप्त जानकारी के अनुसार समस्त विद्यालयों को शिक्षा सत्र 2026-27 के लिये फीस की जानकारी भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य है। साथ ही ऑनलाइन रसीद व ऑनलाइन फीस की हार्डकॉपी, विद्यालय की वेबसाइट पर स्कूल का सिलेबस व स्कूली मटेरियल की जानकारी अपलोड करनी होगी। यह सब कार्रवाई हर हाल में 31 दिसम्बर तक की जानी है। इस तिथि तक जानकारी अपलोड न करने वालों के खिलाफ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कार्रवाई की जायेगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि अभी तक ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल आदित्यपुरम, सेंट्रल अकेडमी स्कूल आदित्यपुरम, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल शिवपुरी लिंक रोड एवं द सिंधिया स्कूल फोर्ट द्वारा विद्यालय के शुल्क, गणवेश व पुस्तकों की जानकारी अपलोड कर इसकी हार्डकॉपी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा कराई गई है।

मेले में पिछली तीन पीढ़ियों से संगीत की मिठास लेकर आ रहा है अहमद परिवार

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लगभग आधी शताब्दी से ग्वालियर व्यापार मेले का एक कोना अहमद परिवार की ढोलक व अन्य वाद्य यंत्रों की सुमधुर धमक व खनक से गुंजायमान होता आया है। उत्तरप्रदेश के अमरोहा जिले का निवासी अहमद परिवार पिछली तीन पीढ़ियों से ग्वालियर मेले में ढोलक की दुकान लगाता आया है।

इस साल अहमद परिवार की तीसरी पीढ़ी के सदस्य जावेद अली ने मेले की छत्री नं.-14 में वाद्य यंत्रों की दुकान सजाई है। जावेद अली ने इस साल भी अपनी दुकान में ढोलक, तबला जोड़ी, बैंगो, कैंगो, ढपली, डमरू, हारमोनियम, झींका, मंजीरा व पायल इत्यादि वाद्य यंत्र लेकर आए। जावेद अली बताते हैं ग्वालियर ड्ड चंबल अंचल समेत समीपवर्ती धौलपुर, आगरा व झाँसी सहित बुंदेलखंड के अन्य जिलों में उनके वाद्य यंत्रों की बड़ी मांग है।

यहां के कई संगीत प्रेमी व वाद्य यंत्रों के दुकानदार साल भर तक ग्वालियर मेले का इंतजार करते हैं और हमारी दुकानों से ढोलक, तबला व हारमोनियम इत्यादि वाद्य यंत्र खरीदते हैं। वे बताते हैं कि मेले में फुटकर से ज्यादा थोक में हमारे वाद्य यंत्र बिकते हैं। मेले में हर साल हमारी दुकान से औसतन 15 से 20 लाख रूपए की बिक्री होती है। अमरोहा से आए जावेद अली ने चर्चा के दौरान बताया कि मुझसे पहले मेरे वालिद जनाब समीम अहमद और उनसे भी पहले मेरे दादा जनाब सईद अहमद ग्वालियर मेले में दुकान लगाते थे। हमारे वाद्य यंत्रों की मांग ग्वालियर क्षेत्र ही नहीं संपूर्ण हिंदुस्तान में है और हम देश के अन्य मेलों में भी अपनी दुकान लगाते हैं। जावेद अली से जब ग्वालियर मेले की सुविधाओं के बारे में पूछा गया तो वे बोले कि अन्य मेलों की अपेक्षा ग्वालियर मेले में दुकानदारों की सुविधाओं का काफी ध्यान रखा जाता है। वे कहते हैं कि ग्वालियर क्षेत्र में पड़ने वाली ठंड को हम तब भूल जाते हैं जब संगीत की मिठास के व्यापार से हुई आमदनी से हमारे परिवार में खुशियों की रौनक फैलती है।

शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्राथमिकता से किया जाए

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्राथमिकता से हो ताकि जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ मिल सके। संभागीय अधिकारी योजनाओं कि क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा भी करें। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कलेक्टर ड्ड कमिश्नर कॉन्फ्रेंस की कार्यवाही विवरण के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संभागीय आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में कलेक्टर कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों के परिपालन में ग्वालियर संभाग में किए गए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर ग्वालियर श्री कुमार सत्यम, सीईओ जिला पंचायत ग्वालियर श्री सोजान सिंह रावत, एकेवीएम की निदेशक श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव सहित संभाग स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने संभागीय समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति के लिये सभी विभागीय अधिकारी समय रहते प्रभावी कार्रवाई करें। सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण भी समय-सीमा में हो। सीएम हैल्पलाइन की समीक्षा संभागीय अधिकारी भी नियमित रूप से करें।

बैठक में जिन योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई, उनमें प्राकृतिक एवं जैविक खेती के किसानों को बाजार उपलब्ध कराने, भावांतर योजना, एक बगिया माँ के नाम, गौशालाओं का संचालन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, वन अधिकार अधिनियम के तहत दिए गए पट्टों, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के साथ-साथ नगरीय निकायों की योजनाओं की समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रस्तावित कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की कलेक्टर ने की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में आगामी 05 जनवरी 2026 को आयोजित होने वाली कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक प्रस्तावित है, जिसमें प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल होंगे।

उक्त बैठक की तैयारी के संबंध में कलेक्टर नेहा मीना ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में एजेंडा बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण की जाएं तथा वीडियो कॉन्फ्रेंस में जिले से संबंधित समस्त जानकारियां अद्यतन, तथ्यात्मक एवं सटीक रूप में प्रस्तुत की जाएं।

बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि सत्यापन उपरांत 725 प्रकरण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 530 हितग्राहियों को लाभ वितरित किया जा चुका है। इस पर कलेक्टर ने स्वीकृति एवं वितरण के मध्य अंतर को शीघ्र कम करने तथा लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा में बताया गया कि नामांतरण 88.81 प्रतिशत, बंटवारा 89.18 प्रतिशत एवं सीमांकन 95.29 प्रतिशत की अद्यतन प्रगति है। कलेक्टर ने शेष प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करते हुए शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त बैठक में कृषि एवं संबंधित विभागों की प्रगति, गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन की स्थिति, गंभीर एनीमिक गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन, सिकल सेल रोग से उपचाररत मरीजों, गर्भवती महिलाओं की सिकल सेल जांच, टीबी स्क्रीनिंग, एनआरसी की स्थिति, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, नगरीय क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों पर नियंत्रण, गीता भवन हेतु स्थलों का चिन्हांकन, आई-गोट पोर्टल, नामांकन एवं ड्रॉपआउट दर, अजा/अजजा एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री वृंदा वन योजना, जल जीवन मिशन, एमपी ई-सेवा तथा समग्र पोर्टल के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिकायतों का संतोषजनक, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण किया जाए। उन्होंने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने तथा ग्रेडिंग मंथ के अंतर्गत शत-प्रतिशत शिकायतों के निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, मैदानी स्तर पर कार्यों की सतत निगरानी रखने तथा जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए जिले की प्रगति में गति लाने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, संयुक्त कलेक्टर श्री अक्षय सिंह मरकाम, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बड़ोले, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अवंधती प्रधान, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान योजना का प्रथम चरण 31 दिसंबर तक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि विगत 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में सौ फीसदी तक छूट का लाभ लेने के लिए आज अंतिम दिन है। योजना का लाभ लाखों बकायादार उपभोक्ता उठा रहे हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में अंतिम दिन अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके सौ फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 का प्रथम चरण चल रहा है, जोकि 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो रहा है, अभी आज का दिन शेष है। इस दौरान बकायादार उपभोक्ताओं को सरचार्ज में अधिकतम छूट का लाभ मिल रहा है। हालांकि 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक दूसरा चरण चलेगा, लेकिन उसमें सरचार्ज माफी का प्रतिशत कम हो जाएगा इसलिए प्रथम चरण में आज ही योजना में शामिल होकर अधिकतम लाभ उठाएं। अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 2 लाख 90 हजार 786 बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 304 करोड़ 62 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 161 करोड़ 39 लाख का सरचार्ज माफ किया गया है।

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ होगा जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः कम होता जाएगा। यह योजना दो चरणों में प्रारंभ होकर प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक रहेगी जिसमें 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। इसी तरह द्वितीय और अंतिम चरण में जो कि एक जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी, इसमें 50 से 90 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। प्रथम चरण में एकमुश्त राशि जमा कराने पर अधिकतम लाभ होगा।

समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल हेतु portal.mpcz.in पर पंजीयन कराना होगा। कंपनी के उपाय एप एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तथा एमपी ऑनलाइन पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन कराकर योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र में पहुंचकर भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

कलेक्टर ने की कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा

योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कृषि, पशुपालन एवं उद्यानिकी विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की गहन समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना चाहिए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने बीज रजिस्ट्रेशन एवं उसके भुगतान की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने नरवाई प्रबंधन को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने, वैकल्पिक प्रबंधन उपायों को प्रोत्साहित करने तथा किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। सिंचाई व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और मूंग फसल के लंबित भुगतानों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उर्वरक-बीज की उपलब्धता, फसल विविधीकरण और किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के भी निर्देश दिए।

उद्यानिकी विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने पोली हाउस एवं संरक्षित खेती से संबंधित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और कहा कि इनसे किसानों की आय बढ़ाने के ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने मसाला उद्योग, सब्जी एवं फूलों की खेती को जिले में रोजगार एवं आय के नए अवसरों से जोड़ने पर बल दिया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को उद्यानिकी आधारित गतिविधियों, प्रसंस्करण एवं विपणन से जोड़ा जाए तथा उन्हें ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बैंकों के साथ समन्वय किया जाए।

COTPA अधिनियम के तहत तंबाकू विक्रेताओं पर कार्यवाही, अवैध चाइनीज मांझे की भी सघन जांच

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में तंबाकू निषेध एवं नियंत्रण अधिनियम, 2003 की धारा 6 (ख) के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों के आसपास तंबाकू उत्पादों का विक्रय करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध सघन एवं सतत कार्यवाही की जा रही है।

इस अभियान के अंतर्गत मेघनगर क्षेत्र में 05 दुकानों पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल ?1000 का जुर्माना वसूल किया गया। पेटलावद में 05 दुकानों पर चालानी कार्यवाही कर ?1500 का जुर्माना वसूला गया तथा लगभग 3.50 किलोग्राम तंबाकू सामग्री जप्त की गई। राणापुर क्षेत्र में भी नियमानुसार संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

झाबुआ नगर में दुकानदारों को तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रावधानों की जानकारी देते हुए सख्त समझाइश दी गई तथा लगभग 5 किलोग्राम तंबाकू सामग्री जप्त की गई। थांदला में 7 दुकानों पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 1400 का जुर्माना वसूल किया गया एवं जप्ती की कार्यवाही की गई।

इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार अवैध चाइनीज मांझे के विक्रय एवं भंडारण को लेकर भी सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान जिले में कहीं भी चाइनीज मांझा प्राप्त नहीं हुआ। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि जनस्वास्थ्य, विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं आम नागरिकों के जीवन की रक्षा के दृष्टिगत इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

पेंशन सत्यापन एवं नशामुक्ति जागरूकता अभियान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार एवं सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक श्री पंकज सांवले के मार्गदर्शन में कलापथक दल द्वारा जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

अभियान के अंतर्गत कलापथक दल की श्रीमती कुसुम भूरिया एवं श्रीमती सुमन सलाम द्वारा विशेष रूप से वृद्धजन, विधवा महिलाएँ, दिव्यांगजन एवं विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएँ जानी गईं। इस दौरान पेंशन से संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी गई तथा हितग्राहियों को अपने-अपने जनपद क्षेत्रों में भौतिक सत्यापन एवं केवाईसी अद्यतन कराकर पुनः पेंशन प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

साथ ही विद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि तंबाकू, बीड़ी, गुटखा एवं अन्य नशीले पदार्थों का सेवन शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक है, जिससे लिवर, किडनी खराब होने एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है। बच्चों को यह भी समझाया गया कि यदि उनके आसपास दादा, काका, बाबा, माँ अथवा अन्य परिजन नशे का सेवन करते हैं, तो उन्हें प्रेमपूर्वक रोकने का प्रयास करें।

कलापथक दल द्वारा विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें नशे से दूर रहकर अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का संदेश दिया गया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया गया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न, यातायात सुगमता पर विचार विमर्श कर निर्णय लिए गए

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई थी पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी और समिति के सदस्य मौजूद रहे।

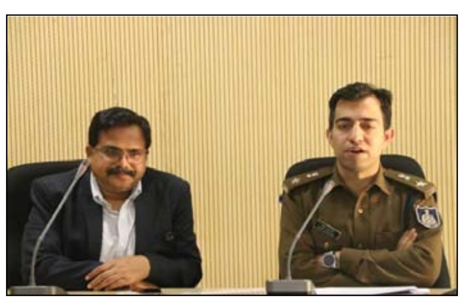

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित उक्त बैठक में सबसे पहले 11 नवम्बर को आयोजित बैठक में दिए गए निर्णयों पर की गई कार्यवाहीयुक्त पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें बताया गया कि स्कूली बच्चों को लाने ले जाने का कार्य कर रहे आटो चालको का डाटाबेस तैयार किया जाए। इसके लिए जनवरी माह का प्रथम सप्ताह नियत किया गया है। इसी प्रकार हाई-वे मार्गो के टोलो पर एम्बुलेंस के माध्यम से एक साल में दी गई सेवाओं और समयावधि की जानकारी के साथ-साथ एनएचएआई का टोल फ्री नम्बर 1033 और एमपीआरडीसी का ट्रोल फ्री नम्बर 1099 के व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए है।

पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने सड़क पर बैठे पशुओं के कारण घटित दुर्घटनाएं एवं कितने पशुओं को गौशाला भेजा गया है कि जानकारी लेते हुए उन्होंने बारिश से पहले 10 से 15 किलोमीटर के दायरे में पशुओं को रखने के लिए छोटे-छोटे बाडे बनाए जाने पर बल दिया और दुर्घटना घटित क्षेत्रो पर बडे फ्लेक्सो के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाए। बैठक में कांच मंदिर, रेल्वे स्टेशन, माधवगंज चैराहे पर दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहनो की चालानी कार्यवाही करने और अस्थायी सब्जी विक्रेताओं को पुनः शिफ्ट कराने के निर्देश नगरपालिका और यातायात प्रभारी को दिए गए है। इसी प्रकार मिर्जापुर में सीमेंट का प्लेटफार्म बनाने हेतु एनएचएआई के द्वारा सहमति व्यक्त की गई है।

आशाग्राम में लगे स्तन कैंसर स्कैनिंग शिविर में द्वितीय दिवस भी रही भीड़

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कलेक्टर जयति सिंह के निर्देशन पर जिले की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का स्तन कैंसर स्कैनिंग एंड जागरूकता शिविर के तहत बड़वानी सेक्टर की कार्यकर्ता और सहायिकाओं के लिए आशाग्राम ट्रस्ट में लगे शिविर में अब तक 200 महिलाओं ने मैमोग्राफी एवं हीमोग्लोबिन व रेंडम ब्लड शुगर का परीक्षण करवाया। शिविर में प्रातः 9.30 बजे से ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पहुंचकर अपना स्तन कैंसर स्कैनिंग करवा रही है। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री आर एस गुंडिया ने सभी जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ,सहायिका ,पर्यवेक्षक इत्यादि का शिविर में परीक्षण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया यह शिविर एक और जहां हमारे कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य सुदृढ़ता को प्राथमिक स्तर पर सुनिश्चित करेगा वही कार्यकर्ताओं में भी जागरूकता आएगी तथा वह फील्ड लेवल पर महिलाओं को भी स्तन कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्राथमिक स्तर पर ही मार्गदर्शन दे पाएंगे।

धवली के उर्वरक विक्रेता व्यावपारी पर दर्ज कराई एफआईआर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह द्वारा ग्राम खोखरी में चौपाल में चर्चा के दौरान किसान के द्वारा अधिक दाम में यूरिया बेचने की शिकायत की गई थी। जिस पर विकासखण्ड सेंधवा के उर्वरक निरीक्षक द्वारा किसानों से चर्चा कर 27 दिसम्बर को किसानों के कथन लिये गये । जिसमें किसान के द्वारा मेसर्स माहेश्वरी कृषि सेवा केन्द्र के प्रोपराइटर श्री कृष्णकान्त पिता प्रभुलाल निवासी धवली के द्वारा 2 बेग यूरिया बेचा गया जो शासन द्वारा निर्धारित उर्वर्क कीमत रू. 266.50 से अधिक कीमत रू. 450 प्रति बेग की दर से कुल 900 रूपये में बेचा गया।

किसान के द्वारा बिल मांगने पर बिल भी नही दिया प्रोपराइटर श्री कृष्णकान्त पिता प्रभुलाल को दूरभाष पर चर्चा कर मौके पर उपस्थित होकर वस्तु स्थिति से अवगत कराने को कहा गया लेकिन प्रोपराइटर. उपस्थित नही हुए । 29 दिसम्बर को राजस्व एवं कृषि विभाग के संयुक्त दल द्वारा निरीक्षण किया गया एवं फर्म के निरीक्षण के दौरान उर्वरक संबधित किसी प्रकार के दस्तावेज नही पाये गये एवं गोदाम में निरीक्षण के दौरान एवरग्रीन माइक्रोन्यूट्रीन्ट प्रा.लि. के जिप्सम 106 बेग लाट न. एजी 12/25 (50 किलो प्रति बेग की भरती में) एसएसपी जिरान 50 बेग लाट न. डीएचआरएम24जेडबी67 (50 किलो प्रति बेग की भरती में) कम्पनी आर.एम. फास्फेटस एण्ड केमिकल, एसएसपी जिन्कटैड सुपर 60 बेग लाट न. डीएचआरएम25जेडपी084 (50 किलो प्रति बेग की भरती में) कम्पनी आर.एम. फास्फेटस एण्ड केमिकल, 10:26:26 के 10 बेग (50 किलो प्रति बेग की भरती में) कम्पनी चम्बल फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल 20:20:0:13 कि 21 बेग लाटन. एसएसपीएल249 गुराजत स्टे ट फर्टिलाइजर्स एण्डर केमिकल्स, पोटाश पी डी आर के 6 बैग लाट न. एचपी001 कम्पनी हिन्डोरगो फर्टिलाइजर्स पोटाश के 4 बैग कम्पनी आईपीएल कुल 257 बैग उरर्वक भण्डारित पाये गये । जिसकी कुल किमत 1,71,900 रू. है । संबधित फर्म के द्वारा बिना पी.ओ.एस. मशीन के उर्वरक का वितरण किया गया, जो कि शासन नियमों के विरूद्ध है। आज दिनांक तक के बिल कटे हुए नही पाये ओर स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण पाया गया, जो कि उर्वरक नियंत्रण अधिनियम 1985 की धाराओं का उल्लघंन किया गया। फर्म मेसर्स माहेश्वरी कृषि सेवा केन्द्र के प्रोप्रायटर श्री कृष्णकान्त पिता प्रभुलाल माहेश्वरी के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई । कार्यवाही के दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी सेंधवा, श्री व्ही.एस. बौद्ध, तहसीलदार वरला, श्री अजय चौहान नायब तहसीदार वरला, श्री संतोष कोठारी, उर्वरक निरीक्षक, सुश्री अंकिता बरडे विकासखण्ड सेंधवा एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, श्री भारतसिंह पटेल उपस्थित थे ।

पाटी महाविद्यालय जहाँ आपके सपने लेते हैं सफलता का आकार कॉलेज चलो अभियान के तहत पाटी में प्रेरक कार्यशाला

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय पाटी में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ. परवेज मोहम्मद के मार्गदर्शन में कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने और महाविद्यालय की गतिविधियों से परिचित कराने के उद्देश्य से आओ जानें महाविद्यालय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पाटी ब्लॉक के कैचमेंट क्षेत्र से संबद्ध विभिन्न शासकीय विद्यालयों दृ सांदीपनि शासकीय मॉडल विद्यालय पाटी, सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय बूदी, शासकीय विद्यालय बोकराटा, कन्या विद्यालय पाटी के 160 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यशाला के प्रारंभ में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. मंशाराम बघेल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य एवं स्वरूप बताया। मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय आदर्श महाविद्यालय बड़वानी के इतिहास विभाग के डॉ. अनिल पाटीदार ने नई शिक्षा नीति 2020 की विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को विषय चयन में सजग रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा बारहवीं के बाद विषय चयन सुनियोजित ढंग से करें, यही आपके भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। प्राचार्य डॉ. परवेज मोहम्मद ने विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, सावधानियों तथा भविष्य की शैक्षणिक संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने अपील करते हुए कहा यदि आप अपने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा चाहते हैं, तो अपने ही निकट स्थित भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय पाटी में प्रवेश लेकर अपने सपनों को पूरा करें। यहां का वातावरण अध्ययन के लिए पूरी तरह अनुकूल है, महाविद्यालय परिवार आपके सपनों को साकार करेगा। महाविद्यालय की स्थापना, उपलब्धियों और शैक्षणिक वातावरण पर प्रकाश डालते हुए प्रो. जया न्यावत ने बताया कि वर्तमान में महाविद्यालय सांदीपनि मॉडल स्कूल भवन में संचालित है, किंतु शीघ्र ही नवीन निर्माणाधीन महाविद्यालय भवन विद्यार्थियों को उपलब्ध होने वाला है, जहाँ आगामी सत्र में अध्ययन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। प्रो. राजू औसारी ने शासन द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं तथा निशुल्क पुस्तक एवं स्टेशनरी वितरण सुविधा की विस्तृत जानकारी दी। खेल अधिकारी डॉ. अंजूबाला जाधव ने महाविद्यालय की खेल उपलब्धियों और विद्यार्थियों की जिले एवं संभाग तथा राज्य स्तर पर सहभागिता का उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रो. दिनेश ब्राम्हणे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के ग्रंथपाल डॉ. भारत सिंह चौहान, सचिन वर्मा, जगदीश, कनसिंह, विक्रम, सखाराम, एवं शिवजी का विशेष सहयोग रहा।

आईसीटी लैब में विद्यार्थियों ने सीखा ई-ग्रीटिंग कार्ड निर्माण

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवती की आईसीटी लैब में विद्यार्थियों को नवीन तकनीकी ज्ञान से जोड़ने के उद्देश्य से ई-ग्रीटिंग कार्ड निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया। इस गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों ने डिजिटल माध्यम से आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड बनाना, उन्हें डिज़ाइन करना तथा ऑनलाइन साझा करना सीखा।

आईसीटी लैब इंस्ट्रक्टर रवीना नरगावे ने विद्यार्थियों को ई-ग्रीटिंग कार्ड निर्माण की आवश्यकता एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न अवसरों पर मित्रों एवं परिवारजनों को शुभकामनाएँ देने में ग्रीटिंग कार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बधाई संदेश आपसी संबंधों में नई ऊर्जा और आत्मीयता बढ़ाने में सहायक होते हैं। पूर्व में कागज़, रंगों और आर्ट-क्राफ्ट से कार्ड बनाए जाते थे, किंतु सोशल मीडिया और डिजिटल युग में ई-ग्रीटिंग कार्ड का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि शून्य लागत पर विभिन्न वेबसाइटों पर उपलब्ध टेम्पलेट्स की सहायता से ई-ग्रीटिंग कार्ड बनाए जा सकते हैं। बर्थडे, एनिवर्सरी, उपलब्धि, नववर्ष जैसे विभिन्न अवसरों के लिए अलग-अलग टेम्पलेट्स उपलब्ध रहते हैं। टेम्पलेट ग्रीटिंग कार्ड का एक पूर्व-निर्मित नमूना होता है, जिसमें रंग संयोजन, डिज़ाइन और लेआउट पहले से तय होता है। विद्यार्थी अपनी रुचि अनुसार टेम्पलेट का चयन कर उसमें मनचाहा टेक्स्ट, चित्र, इमेज, इमोजी आदि जोड़कर आसानी से आकर्षक ई-ग्रीटिंग कार्ड तैयार कर सकते हैं। विद्यार्थियों ने सभी उपलब्ध सुविधाओं को ध्यानपूर्वक समझते हुए स्वयं ई-ग्रीटिंग कार्ड बनाए। नववर्ष की शुभकामनाएँ देने के लिए विद्यार्थियों को कार्ड बनाकर अपनी कक्षा एवं स्कूल ग्रुप में साझा करने का कार्य दिया गया, जिसे उन्होंने बड़े उत्साह और रुचि के साथ पूर्ण किया। छात्रा ऋषिका डोडवे ने न्यूनतम समय में ई-ग्रीटिंग कार्ड बनाकर विशेष सराहना प्राप्त की। विद्यालय के प्राचार्य असलम खान ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन कर उनकी प्रशंसा की तथा आईसीटी लैब इंस्ट्रक्टर रवीना नरगावे की सराहना करते हुए कहा कि सही समय पर दिया गया यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। अब विद्यार्थी डिजिटल माध्यम से अपने परिचितों को नववर्ष की शुभकामनाएँ देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का भरोसेमंद ठिकाना बना उज्जैन

उज्जैन, देवास और आगर मालवा में अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप की बहुर्राष्ट्रीय कंपनियों ने निवेश कर उत्पादन शुरु किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उद्योगपुरी, देवास औद्योगिक क्षेत्र, मेडिकल डिवाइस पार्क और आगर मालवा औद्योगिक पार्क में अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों ने भरोसा जताया है। यहां अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों ने बहुर्राष्ट्रीय कंपनियां स्थापित कर उत्पादन भी शुरु कर दिया है। इतना ही नहीं देशी कंपनियों का उत्पादन भी शुरु हो गया है और तैयार माल विदेशों तक जा रह है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी, देवास औद्योगिक क्षेत्र, मेडिकल डिवाइस पार्क और आगर मालवा औद्योगिक पार्क में स्थापित औद्योगिक इकाइयों से न केवल उत्पादन बढ़ा है, बल्कि उज्जैन अब निर्यात आधारित औद्योगिक हब के रूप में पहचान बना रहा है। एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौड़ ने बताया कि विक्रम उद्योगपुरी में अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप की बहुर्राष्ट्रीय कंपनियों ने निवेश कर उत्पादन शुरू कर दिया है। यहां अमेरिका की आरपीएसपीएल प्राइवेट लिमिटेड और पेप्सीको इंडिया होल्डिंग्स, ऑस्ट्रेलिया की प्लेग्रो टॉयज, तथा वोल्वो-आयशर जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां सक्रिय हैं। वहीं देवास औद्योगिक क्षेत्र में जापान की सेनओह इंडिया और स्पेन की रोका सेनेटरी, मेडिकल डिवाइस पार्क में अमेरिका की क्लीनिसप्लाइज और दक्षिण कोरिया की ई-फाइबर, जबकि आगर मालवा औद्योगिक पार्क में कनाडा की मैक्केन इंडिया ने अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित की हैं।

उज्जैन से दुनिया तक पहुंच रहे उत्पाद- विक्रम उद्योगपुरी में स्थापित इन इकाइयों में व्हिप्ड क्रीम, बेवरेजेस, खिलौने, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, सेनेटरी वेयर, मेडिकल डिवाइसेज, कैंसर डिटेक्शन किट, फ्रेंच फ्राइज जैसे उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जिनका निर्यात अमेरिका, कनाडा, कोरिया, रूस, यूक्रेन, सिंगापुर सहित कई देशों में हो रहा है। इसके साथ ही अमूल, इस्कॉन बालाजी, सन फार्मास्यूटिकल्स, आईपीसीए लैबोरेट्रीज जैसी भारतीय कंपनियों के उत्पाद भी उज्जैन, देवास और रतलाम से अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बना रहे हैं।

25 हजार से अधिक को अप्रत्यक्ष रोजगार- श्री राठौड़ ने बताया कि जिले के औद्योगिक क्षेत्रों में अब तक 246 इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है, जिनमें से 48 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, उज्जैन के रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव तथा दुबई, जर्मनी, स्पेन, टोक्यो और यूके में हुए रोड-शो के परिणाम अब धरातल पर नजर आ रहे हैं। ग्रोथ समिट के तहत जिले में 2,593 करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 15 औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन व लोकार्पण प्रस्तावित हैं, जिससे 4,176 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

5 लाख रुद्राक्ष और 11 हजार डमरुओं से सजेगा महाकाल मंदिर और महाकाल लोक

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष 2026 के शुभ आगमन पर महाकालेश्वर मंदिर परिसर और महाकाल लोक में आने वाले लोगों को भक्ति, आस्था और अध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। नववर्ष के उपलक्ष्य में बड़ोदरा स्थित डमरू फाउंडेशन के कलाकारों द्वारा यहां रुद्राक्ष और डमरुओं से सजावट की जाएगी।

डमरू फाउंडेशन द्वारा की जाने वाली इस सजावट में लगभग 5 लाख रुद्राक्ष और 11 हजार डमरुओं का उपयोग किया जाएगा। रुद्राक्ष और डमरुओं से सुसज्जित मंदिर परिसर और महाकाल लोक श्रद्धालुओं को एक अलौकिक अनुभूति प्रदान करेगा। मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार सजावट का पूरा कार्य महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के दिशा-निर्देशों और धार्मिक मर्यादाओं और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। सजावट के दौरान यह विशेष ध्यान रखा जाएगा कि दर्शन व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और मंदिर की पवित्रता किसी भी स्तर पर प्रभावित न हो। उल्लेखनीय है कि हर साल नववर्ष पर महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है और इस बार भी लाखों लोग आएंगे। ऐसे में रुद्राक्ष और डमरुओं से सजा महाकालधाम श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा और नए वर्ष का स्वागत आध्यात्मिक उल्लास के साथ किया जाएगा।

फंदे पर लटके युवक को सीपीआर देकर थाना प्रभारी में बचाया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रात1 बजे दरवाजा तोड़कर फंदे पर लटके युवक को गश्त पर निकले थाना प्रभारी ने नीचे उतारा और सीपीआर देकर उसकी जान बचा ली। परिवार ने युवक को मृत मानकर विलाप शुरू कर दिया था।

नागदा थाना प्रभारी अमृतलाल गवरी रात में गश्त कर रहे थे। उसी दौरान 1 बजे के लगभग एक वृद्ध सड़क पर दौड़ता हुआ पुलिस गाड़ी की ओर आता दिखाई दिया। थाना प्रभारी ने तत्काल अपनी गाड़ी रोकी। वृद्ध ने बताया कि उनके पुत्र ने दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली है। थाना प्रभारी तत्काल वृद्ध के घर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर फंदे पर लटके युवक को नीचे उतारा। युवक मौत की आगोश में जा चुका था। परिवार ने मृत मानकर विलाप शुरू कर दिया। थाना प्रभारी ने सूझबूझ दिखाई और प्रशिक्षण के दौरान सिखाई गई सीपीआर तकनीक का उपयोग युवक को जमीन पर लेटाकर शुरू किया। कुछ देर में ही युवक की सांसे चलने लगी। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां कुछ घंटे चले उपचार के बाद युवक पूरी

तरह से ठीक हो गया। जिसे रात में ही समझाइश के बाद घर भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर युवक की काउंसलिंग की गई। उसने पारिवारिक विवाद के चलते मौत को गले लगाने का प्रयास किया था।

तनाव की तपिश में टूटते रिश्ते... महिला थाने तक पहुंचे 105 पारिवारिक विवाद

मोबाइल कॉल से उपजी गलतफहमियां बनीं झगड़ों की बड़ी वजह - सास-बहू विवाद भी रहे प्रमुख

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भागदौड़ भरी जिंदगी और बढ़ते मानसिक तनाव का असर अब सीधे पारिवारिक रिश्तों पर दिखाई देने लगा है। आपसी संवाद की कमी, संदेह और समयाभाव के चलते घरों में शुरू होने वाले छोटे-छोटे विवाद गंभीर रूप ले रहे हैं और कई मामलों में बात थाने तक पहुंच रही है। इसी कड़ी में वर्षभर के दौरान महिला थाना उज्जैन में पारिवारिक विवाद के 105 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं।

महिला थाना पुलिस के अनुसार, बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए जिनमें पति-पत्नी के बीच उपजी गलतफहमियों ने विवाद का रूप ले लिया। जांच और काउंसलिंग के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मोबाइल कॉल, मैसेज और सोशल मीडिया से जुड़ी शंकाएं विवाद की सबसे बड़ी वजह बनी हैं। देर रात आने वाली कॉल, मोबाइल पर गोपनीयता और संवाद की कमी के चलते पति-पत्नी के बीच अविश्वास बढ़ा, जो अंततः पुलिस हस्तक्षेप तक पहुंच गया।

विवादों की सूची में सास-बहू के झगड़े दूसरे स्थान पर रहे। घरेलू जिम्मेदारियों, पारिवारिक अपेक्षाओं और आपसी तालमेल की कमी के कारण कई परिवारों में तनाव बढ़ा और समझाइश के बावजूद मामले दर्ज करने की नौबत आई। महिला थाना में आने वाले अधिकांश मामलों में पहले काउंसलिंग और समझाइश का प्रयास किया गया, लेकिन कई प्रकरणों में सहमति नहीं बन पाने के कारण विधिवत केस दर्ज किए गए। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते संवाद, आपसी विश्वास और पारिवारिक सहयोग से ऐसे विवादों को रोका जा सकता है।

हरियाणा पुलिस आई उज्जैन, युवक युवती को पकड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुग्राम से लापता युवती की तलाश में उज्जैन आई हरियाणा पुलिस ने होटल में दबिश देखकर युवती को एक युवक के साथ पकड़ा और अपने साथ गुरुग्राम लेकर रवाना हो गई।

हरियाणा के गुरुग्राम से 28 साल की युवती 10 दिनों पहले लापता हो गई थी। परिजनों ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस को दर्ज कराई थी। हरियाणा पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस की जो उत्जैन के देवास गेट थाना क्षेत्र स्थित मालीपुरा की होना सामने आई, लोकेशन लगातार एक ही स्थान पर मिलने पर गुरुग्राम सिविल लाइन थाना पुलिस उपनिरीक्षक ओमप्रकाश, सहायक उप निरीक्षक ममता, आरक्षक सुमित कुमार की टीम उत्जैन पहुंची। देवासगेट थाना प्रभारी अनिला पाराशर के साथ लोकेशन के आधार पर मालीपुरा में जयश्री महाकाल होम स्टे पर दबिश दी। जहां से युवती को दस्तयाब करने के साथ हरियाणा की ही रहने वाले युवक राकेश कुमार को हिरासत में लिया गया। दोनों को दोपहर बाद हरियाणा ले जाया गया है। देवास गेट थाना पुलिस ने बताया कि होम स्टे संचालक आनंदीलाल ने बाहर से आए युवक युवती के ठहरने की जानकारी पुलिस को नहीं दी थी जिसके चलते संचालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

छात्र ने फंदा गले में डालकर लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किराये के मकान में रहकर पढ़ाई करने वाले 10वीं के छात्र ने बीती शाम सीढ़ियों की रेलिंग पर मफलर से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोस्तों से अस्पताल लेकर पहुंचा। मंगलवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर जांच शुरू की है। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि कंचन विहार में रहकर कक्षा 10वीं की पढ़ाई कर रहे छात्र यश पिता दिलीप पाटीदार 15 वर्ष निवासी ग्राम लसुडल्या टोंक खुर्द द्वारा फांसी लगाने की सूचना अस्पताल से मिलने पर मार्ग काम किया गया था। सुबह पोस्टमार्टम के दौरान दोस्त यशवंत ने बताया कि यश सोमवार दोपहर स्कूल से लौटा था उसके चाचा मिलने आए थे इसके बाद वह कमरे में जाकर सो गया था। शाम को जब वह छत पर कपड़े लेने के लिए जा रहा था तभी सीढ़ियों की रेलिंग से लटका दिखाई दिया। उसके चाचा मेडिकल पर काम करते हैं जिन्हें सूचना देकर बुलाया और यश को अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार आत्महत्या करने की वजह सामने नहीं आई है परिवार खेती किसानी करता है। पोस्टमार्टम के बाद यश का शव अंतिम संस्कार के लिए पैतृक गांव ले जाया गया है। परिजन और दोस्त के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की जाएगी।

पाटीदार मेडिकोज को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशानुसार दवाओं की लेबल पर निर्धारित /अंकित अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक मूल्य पर औषधि का विक्रय किए जाने पर फ्रीगंज उज्जैन स्थित पाटीदार मेडिकोज की जांच की गई। जिला औषधि निरीक्षक श्री देशराज सिंह ने बताया कि जांच में पाया गया कि मेडिकल स्टोर संचालक द्वारा शिकायतकर्ता को औषधि Linezolid IV Injection (Linid IV) batch no ABB1040 प्रदान की गई जिसकी एमआरपी 812.65 है।

आज साल के आखिरी दिन और कल कई मार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित

नए साल के आगमन पर भीड़ और ट्रैफिक से निपटने की यातायात पुलिस ने की तैयारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौजूदा वर्ष की विदाई और नए साल के आगमन पर लाखों लोग भगवान महाकाल के दर्शन करेंगे। आज तथा कल लाखों की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने शहर की यात्रा व्यवस्था निर्धारित की है।

साल के आखिरी दो दिनों और नए साल को यादगार बनाने के लिए श्रद्धालुओं का भगवान महाकाल के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में आना जारी है। पिछले तीन दिनों में 6 लाख से ज्यादा भक्त बाबा के दर्शन कर चुके हैं। आने वाले दिनों में यह आंकड़ा दोगुना होने की उम्मीद है। इसके लिए सुरक्षा को चाक-चौबंद किया गया है, वहीं पुलिस प्रशासन ने साल के अंतिम दिन यानी आज 31 दिसंबर और नववर्ष के पहले दिन 1 जनवरी को सुगम आवागमन के लिए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग और प्रतिबंधित मार्ग तय कर दिए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

आज शाम से लागू होंगे नियम- यातायात डीएसपी दिलीप सिंह परिहार के मुताबिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ मार्गों पर चौपहिया और तीन पहिया वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया है। यह प्रतिबंध आज 31 दिसंबर की शाम 4 बजे से लागू हो जाएगा। प्रतिबंधित मार्गों में हरिफाटक टी ब्रिज से महाकाल घाटी चौराहा

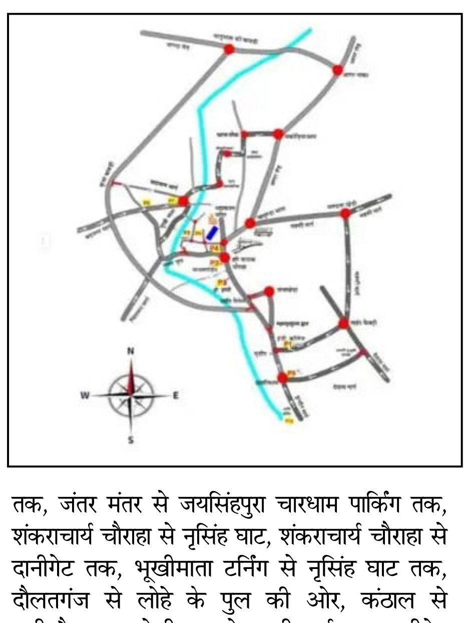

तक, जंतर मंतर से जयसिंहपुरा चारधाम पार्किंग तक, शंकराचार्य चौराहा से नृसिंह घाट, शंकराचार्य चौराहा से दानीगेट तक, भूखीमाता टर्निंग से नृसिंह घाट तक, दौलतगंज से लोहे के पुल की ओर, कंठाल से छत्रीचौक तक, तेलीवाड़ा से कमरी मार्ग तक, दानीगेट से गणगौर दरवाजा/ हरसिद्धि पाल की ओर तक, केडी गेट से कमरी मार्ग तक और भार्गव तिराहे से टंकी चौराहा तक शामिल हैं।

यहां रहेगी चौपहिया वाहन पार्किंग - इंदौर, देवास एवं मक्सी मार्ग से आने वाले वाहन इंजीनियरिंग कॉलेज तिराहा, हरिफाटक चौराहा, लालपुल टर्निंग, कर्कराज पार्किंग, इंटरप्रिटेशन पार्किंग एवं भील समाज पार्किंग में पार्क किए जाएंगे। यहां फुल होने पर हरिफाटक चौराहा स्थित मनंत गार्डन पार्किंग, इंपीरियल होटल के पीछे पार्किंग तथा हरिफाटक ब्रिज के नीचे पार्किंग का उपयोग किया जाएगा। बडनृगर एवं नागदा मार्ग से आने वाले वाहन मोहनपुरा ब्रिज, मुरलीपुरा, शंकराचार्य चौराहा होते हुए कार्तिक मेला मैदान में पार्क किए जाएंगे। आगर मार्ग से आने वाले वाहन मकोडिया़ आम, खाकचौक, जाट धर्मशाला, जूना सोमवरिया होते हुए कार्तिक मेला ग्राउंड में पार्क होंगे। कार्तिक मेला मैदान फुल होने पर वाहनों को कृषि उपार्जन मैदान में पार्क करवाया जाएगा। हरिफाटक चौराहा से चारधाम टर्निंग तक नगर निगम द्वारा बस की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके बाद श्रद्धालु पैदल शक्ति पथ के माध्यम से इंटरप्रिटेशन सेंटर होते हुए श्री महाकालेश्वर मंदिर दर्शन कर सकेंगे।

पार्किंग से वाहन निकास मार्ग

कर्कराज एवं भील समाज पार्किंग- नृसिंह घाट, भूखी माता मार्ग, लालपुल टी, चिंतामण ब्रिज बायपास, (इंदौर/भोपाल/देवास)।

इंटरप्रिटेशन पार्किंग - जयसिंहपुरा, लालपुल टी, चिंतामण ब्रिज बायपास।

मनंत गार्डन/इंपीरियल होटल के पीछे पार्किंग, वाकणकर ब्रिज, दाऊदखेड़ी बायपास।

हरिफाटक ब्रिज के नीचे पार्किंग न्नीलगंगा चौराहा, शास्त्रीनगर, सिंधी कॉलोनी, नानाखेड़ा चौराहा।

रिजर्व पार्किंग - शहर की सभी पार्किंग भरने की स्थिति में इंदौर, देवास एवं भोपाल से आने वाले वाहनों को इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान में पार्क करवाया जाएगा।

दोपहिया वाहन पार्किंग- इंदौर, देवास और मक्सी से आने वाले वाहन हरिफाटक चौराहा, लालपुल टर्निंग, भील समाज एवं कर्कराज पार्किंग में पार्क किए जाएंगे। इसी तरह बडनृगर, आगर और नागदा से आने वाले वाहन हरिसिद्धि पाल पार्किंग में पार्क होंगे। इसके फुल होने पर शंकराचार्य चौराहा के पास गुरुद्वारा भूमि पर वाहन पार्क होंगे।

यहां से डायवर्ट होंगे भारी वाहन- इंदौर से नागदा, आगर, मक्सी की ओर जाने वाले भारी वाहन तपोभूमि, देवास बायपास, मारुति शोरूम, सैफी पेट्रोल पंप, श्री सिंथेटिक्स होकर निकलेंगे। इसी तरह मक्सी से देवास और इंदौर की ओर जाने वाले वाहन श्री सिंथेटिक्स, सैफी, मारुति शोरूम, देवास रोड, नरवर बायपास होते हुए जाएंगे। इसी अतिरिक्त बडनृगर, नागदा, आगर की ओर से आने वाले भारी वाहन मोहनपुरा ब्रिज, साढ़ू माता की बावड़ी, चौपाल सागर, मंडी, पांड्याखेड़ी चौराहा होते हुए निकलेंगे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के अस्थाई रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि आयुक्त महिला एवं बाल विकास मध्यप्रदेश भोपाल की विज्ञप्ति में राज्य स्तर से जिले में संचालित महिला एवं बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के पूर्णतः अस्थाई (मानसेवी) एवं मानदेय आधारित रिक्त पदों की पूर्ति के लिए पात्र महिलाओं के आवेदन पत्र MPONLINE द्वारा तैयार चयन पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित किए गए है। प्रकाशित विज्ञप्ति अनुसार रिक्त पदों की संख्यात्मक जानकारी दी गई है। इस संख्यात्मक जानकारी में जिला अंतर्गत रिक्त पदों की आंगनवाड़ी केन्द्रों की ग्राम/बार्ड वार जानकारी सूची संलग्न कर दी जा रही है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के चयन के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए केवल महिला अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकती है। आवेदिका की आयु दिनांक 1/01/2025 को न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 35 वर्ष होना चाहिए। आयु के प्रमाणीकरण के लिए हाई स्कूल/10 वी बोर्ड की अंकसूची संलग्न किया जाना अनिवार्य है। आवेदिका, ग्रामीण क्षेत्र में संबंधित ग्राम नगरीय क्षेत्र में संबंधित वार्ड की स्थायी निवासी होना चाहिये।

6वां राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स गेम्स 2025 उज्जैन में सफलतापूर्वक संपन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 27 से 29 दिसंबर, 2025 तक राजमाता विजयराजे सिंधिया स्टेडियम, नानखेड़ा, उज्जैन में 6वां राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स गेम्स - 2025 सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी ट्रेडिशनल लाठी स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने की और आयोजन मार्शल आर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (MAAI) द्वारा किया गया।

इस तीन दिवसीय चैंपियनशिप में भारत के विभिन्न राज्यों के 1,000 से अधिक मार्शल आर्ट्स खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताएं पारंपरिक और आधुनिक मार्शल आर्ट्स की विभिन्न विधाओं में आयोजित की गईं, जिसमें खिलाड़ियों ने अपनी असामान्य कौशल, अनुशासन और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

उज्जैन के फिट विथ मार्शल आर्ट्स एकेडमी के 25 खिलाड़ियों ने इस चैंपियनशिप में थांगता गेम में भाग लिया चैंपियनशिप के थांगता गेम के टेक्निकल डायरेक्ट अभिषेक मरमत एवं टीम कोच कालेश्वर गामड़ ने बताया कि खिलाड़ियों ने 19 स्वर्ण एवं 7 रजत पदक हासिल किए जिसमें टीम की सबसे छोटी खिलाड़ी वृन्दा रंका, अश्वेत मिश्रा को स्वर्ण, परिधि कृपलानी, निखिल यादव, परमवीर सिंह शेखावत, श्रेया कृपलानी, माही यादव, अर्पिता रॉय, जय अकोदिया, राधा सौराष्ट्रीय, प्रियंका सौराष्ट्रीय, निशा चौहान, पवन यादव, लक्ष्मण सिंह, शक्ति यादव, जया पंचाल, अभिषेक गिरजे, मोहित वीरभानानी, को अपनी अपनी श्रेणी में स्वर्ण पदक प्राप्त हुए, देवराज गामड़ को एक स्वर्ण एक रजत, पार्थ तोमर, लक्षित आंजना, जॉन गिरजे, दिव्या सोलंकी, वैदेही बैरागी, यशस्वी तिवारी, को रजत पदक प्राप्त हुए।

भस्म आरती में शामिल हुईं अभिनेत्री नुसरत भरूचा, महाकाल के दर्शन कर अभिभूत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार तडक़े फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर भक्ति भाव से शीश नवाया। अभिनेत्री तडक़े आयोजित होने वाली भस्म आरती में सम्मिलित हुईं और विधिवत दर्शन कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया।

भस्म आरती के दौरान मंदिर परिसर पूरी तरह आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। मंत्रोच्चार, शंखनाद और भस्म से होने वाली आराधना के साक्षी बने श्रद्धालुओं के बीच अभिनेत्री नुसरत भरूचा भी भाव-विभोर नजर आईं। आरती उपरांत उन्होंने गर्भगृह में भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए और कुछ समय तक ध्यान एवं साधना में लीन रहीं। दर्शन के पश्चात महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से इंजीनियर शिवकांत पांडे द्वारा उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। समिति की ओर से उन्हें प्रसाद एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने कहा कि महाकालेश्वर के दर्शन कर उन्हें अलौकिक शांति और दिव्य आनंद की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि भस्म आरती का अनुभव अविस्मरणीय है और यहां आकर मन को विशेष सुकून मिलता है। उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश से श्रद्धालुओं के साथ-साथ कला, खेल और राजनीति जगत की हस्तियां भी नियमित रूप से दर्शन के लिए पहुंचती रहती हैं।

पीएससी द्वारा तय शेड्यूल अनुसार 2025 की समस्त परीक्षाएं सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग,इंदौर ने 2025 की सभी परीक्षाएं तय तिथि एवं कैलेंडर के अनुसार सम्पन्न करा कर न केवल अपनी 2024 की परीक्षाओं के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया बल्कि पूरे देश में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने 2025 में 42 परीक्षाएं आयोजित कर पूरे देश में प्रदेश का नाम रोशन किया।

2025 की परीक्षाओं में मुख्य रूप से राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा, सहायक संचालक हॉर्टिकल्चर, सहायक संचालक वेटनरी, सहायक प्राध्यापक परीक्षा 28 विषय,स्टेट इंजीनियरिंग सर्विस परीक्षा , सहायक संचालक संस्कृति विभाग,उपसंचालक प्राचार्य वर्ग 2, सहायक संचालक तकनीकी परीक्षा, खनि अधिकारी परीक्षा, डेंटल सर्जन परीक्षा, सहायक अनुसंधान अधिकारी परीक्षा, सहायक प्रबंधक(लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी), सहायक पंजीयक औद्योगिक नीति एवं निवेश,खाद्य सुरक्षा अधिकारी,माइनिंग इंस्पेक्टर, असिस्टेंट जियोलॉजिस्ट तथा परिवहन इंस्पेक्टर प्रमुख रूप से संपन्न कराई गई। परीक्षार्थियों ने बताया कि वैसे वे प्रदेश के विभिन्न आयोगों में भी परीक्षाओं में भागीदारी कर रहे हैं परन्तु मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग इस समय पूरे देश में उत्कृष्ट स्थान पर होकर पूर्ण पारदर्शिता एवं समय सीमा में परीक्षाएं आयोजित कर रहा है।परीक्षार्थियों ने अवगत कराया कि सारी परीक्षाओं में प्रश्नों की गुणवत्ता, डिफिकल्टी लेवल ,समय सीमा सभी बेहतर रही।साथ ही आयोग के प्रश्न किसी भी स्तर पर डबल ऑप्शन या डिलीट में नहीं रहते है।अभी तक की परीक्षाओं में किसी भी स्तर पर कोई भी प्रश्न विवादास्पद नहीं रहा।परीक्षा परिणाम भी आयोग द्वारा समय सीमा में घोषित कर दिए जाते है।आयोग की सभी परीक्षाओं का पाठयक्रम देश की अन्य परीक्षाओं के पाठयक्रम से बेहतर है। साथ ही मध्य प्रदेश की इकाई को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाता है ताकि मध्य प्रदेश के छात्र आशातीत सफलता प्राप्त कर सकें।उत्तर प्रदेश से आए एक छात्र ने बताया की हम अपने प्रदेश में कहते है कि यदि परीक्षा,गुणवत्ता ,समय सीमा ,पारदर्शिता देखना हो तो मध्य प्रदेश जाएं।चयनित छात्रों में जो विशेष कर ऑटो चालक, मजदूर वर्ग,कृषक ,सब्जी बेचने वाले वर्ग से थे , उन्होंने बताया कि सिर्फ कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी से उन्होंने ये सफलता प्राप्त की। हाल ही में वाणिज्य से चयनित सहायक प्राध्यापिका शगुफ्ता खान ने बताया कि सिर्फ मेहनत एवं ईमानदारी से उसने सफलता प्राप्त की। साक्षात्कार बोर्ड परीक्षार्थी के साथ बहुत अच्छे से व्यवहार कर हौंसला अफजाई करते हैं।परीक्षार्थी का मॉरल डाउन होने नहीं देते।मुझे आयोग की कार्य प्रणाली,परीक्षा व्यवस्था, साक्षात्कार पर पूर्ण विश्वाश है।इस अवसर पर राज्य सेवा मुख्य परीक्षा2025 न्यायालय में लंबित होने से परीक्षार्थियों ने जरूर पीड़ा दिखाई। उन्होंने कहा कि इतने समय तक मुख्य परीक्षा आयोजित नहीं होने से छात्र डिप्रेशन में आ गए हैं। आयोग इस परीक्षा को अविलंब आयोजित कराए। शासकीय सेवा में कार्यरत महिला आवेदकों ने इस प्रतिनिधि को अवगत कराया कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग आयु की गणना विज्ञापन जारी होने के वर्ष के अगले वर्ष की 1 जनवरी को करता है जबकि पूरे देश के आयोगों में एवं संघ लोक सेवा आयोग में आयु की गणना अप्रैल एवं अगस्त से की जाती है यहां तक कि मध्य प्रदेश में ही लोक सेवा आयोग एवं व्यापम में आयु की गणना के तरीके अलग है ,जबकि दोनों रिक्रूटमेंट एजेंसियां सामान्य प्रशाशन विभाग से संचालित होती हैं।ऐसी स्थिति में आयु की गणना का तरीका एक जैसा होना चाहिए ।इस संबंध में माननीय न्यायालय ने भी अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला देकर आयु की गणना के तरीके में बदलाव के लिए आयोग को सुझाव दिया है।कई अभ्यर्थियों ने इस हेतु शासन स्तर पर सामान्य प्रशाशन विभाग को भी अवगत कराया है कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग भी आयु की गणना 1 जनवरी के बजाय अगस्त या अप्रैल से करें ताकि अभ्यर्थियों का न्यायालय में जाने से पैसा बच सके साथ ही उम्र के किनारे पर बैठे कैंडिडेट को फायदा मिल सके। उन्होंने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय डॉ मोहन जी यादव से भी गुहार की है कि वे प्रदेश में आयु को लेकर दो अलग अलग मापदंडों में हस्तक्षेप करें ताकि प्रदेश एवं देश में एक रुपता स्थापित हो सकें।

इस अवसर पर आयोग के परीक्षा नियंत्रक डॉ वी के गुप्ता ने सिर्फ इतना भर कहा कि बाबा महाकाल का आशीर्वाद एवं सभी के सहयोग से मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग देश में इस समय अव्वल है साथ वर्ष 2026 की परीक्षाएं भी तय कैलेंडर के अनुसार सम्पन्न कराएंगे।